

“विजनेस पोर्ट के अन्तर्गत ढाक जुल्क के नगद भुगतान (विना ढाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमति क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. मिलाई, दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/०९/२०१३-२०१५.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 487 ]

राज्यपुर, मंत्रालय, विनांक 3 दिसंबर 2024 — शाहपथ 12, एक्स 1944

उच्च शिक्षा विभाग  
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 23 अगस्त 2024

### अधिसूचना

क्रमांक एक 3-24/2023/38-2 — उत्तीर्णगढ़ निजी विश्वविद्यालय वित्तियानक आयोग, रायपुर के पत्र क्रमांक 10510/आजनैय यू/परिनियम/171/2023/20484, दिनांक 25-07-2024 द्वारा आजनैय यूनिवर्सिटी, ग्राम-नरदहा, तड़कील-मंदिर हस्तीद, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) के अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 57 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं तंत्रालय) अधिनियम 2005 की धारा 29 (2) के तहत किया गया है।

- राज्य शासन, एतदद्वारा, उपरोक्त अध्यादेश को जालय में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करता है।
- उपरोक्त अध्यादेश 1 जुलाई 2024 से मूलभूत प्रभाव से प्रवृत्त होगा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से स्था आदेशनुसार  
आर.पी. याण्डेय, उप-सचिव

## आंजनेय विश्वविद्यालय

### अध्यादेश क्रमांक: 57

इस अध्यादेश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अध्यादेश कहा जाएगा, सिवाय बीसीआई, पीसीआई, एमसीआई, आईसीएआर या किसी विशिष्ट कार्यक्रम से संबंधित किसी अन्य नियामक निकाय द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित कार्यक्रमों के।

#### 1. संक्षिप्त सीर्पक और प्रारंभ

1.1 अध्यादेश को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अध्यादेश कहा जाएगा, सिवाय बीसीआई, पीसीआई, एमसीआई, आईसीएआर या किसी विशिष्ट कार्यक्रम से संबंधित किसी अन्य नियामक निकाय द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित कार्यक्रमों के।

#### 1.2 यह अध्यादेश शीक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू होगा।

1.3 अध्यादेश का प्रावधान आंजनेय विश्वविद्यालय के परिनियन संचया 16 के अनुसार अनुमोदित तीन वर्षीय (छह सेमेस्टर) स्नातक विद्यी या चार वर्षीय (आठ सेमेस्टर) स्नातक विद्यी (ऑनसें/रित्तर्वे के साथ ऑनसे), एक वर्षीय / दो वर्षीय मास्टर डिप्लोमा कार्यक्रम पर लागू होगा, सिवाय बीसीआई, पीसीआई, एमसीआई, आईसीएआर या किसी विशिष्ट कार्यक्रम से संबंधित किसी अन्य नियामक संस्था द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित के।

Table: 1

सं. नं.	संक्षय	कार्यक्रम
1	पत्रकारिता/जनसंचार/मीडिया	<ul style="list-style-type: none"> <li>बी.जे. बैचलर ऑफ जनलिज्म</li> <li>एम.जे. मास्टर ऑफ जनलिज्म</li> <li>पीएच. डी.</li> </ul>
2	कला/मानविकी/सामाजिक/पुस्तकालय विज्ञान	<ul style="list-style-type: none"> <li>बी.ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स)</li> <li>एम.एस.डब्ल्यू. (मास्टर ऑफ सोशल वर्क)</li> <li>बी.आर.एस. (बैचलर ऑफ करस स्टडीज)</li> <li>एम.आर.एस. (भास्टर ऑफ करस स्टडीज)</li> <li>पीएच. डी.</li> </ul>
3	व्यवसाय प्रशासन/वाणिज्य/प्रबंधन/वित्त	<ul style="list-style-type: none"> <li>बी. कॉम/बैचलर ऑफ कॉमर्स</li> <li>एम. कॉम मास्टर ऑफ कॉमर्स</li> <li>बीबीए बैचलर ऑफ विजनेट एडमिनिस्ट्रेशन</li> <li>एमबीए मास्टर ऑफ विजनेट एडमिनिस्ट्रेशन</li> </ul>
4	होटल प्रबंधन/जारीका/पर्यटन/वात्रा	<ul style="list-style-type: none"> <li>बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग ट्रेक्नोलॉजी</li> </ul>

		<ul style="list-style-type: none"> <li>मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट</li> <li>पीएच. डी.</li> </ul>
5	विज्ञान / सांखिकी / कंप्यूटर अनुप्रयोग	<ul style="list-style-type: none"> <li>बी.एससी. बैचलर ऑफ साइंस / बैचलर ऑफ साइंस</li> <li>एम.एससी. मास्टर ऑफ साइंस</li> <li>बी.सी.ए. बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन</li> <li>एम.सी.ए. मास्टर ऑफ एप्लीकेशन</li> <li>बी.स्टेट बैचलर ऑफ स्टेटिक्स</li> <li>एम.स्टेट मास्टर ऑफ स्टेटिक्स</li> <li>पीएच. डी.</li> </ul>
6	इंजीनियरिंग / प्रौद्योगिकी / वास्तुकला / डिजाइन	<ul style="list-style-type: none"> <li>इंजीनियरिंग में डिप्लोमा</li> <li>बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.)</li> <li>मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.)</li> <li>बैचलर ऑफ डिजाइन</li> <li>मास्टर ऑफ डिजाइन</li> <li>पीएच. डी.</li> </ul>
7	व्यवसायिक लिक्का	<ul style="list-style-type: none"> <li>बैचलर ऑफ बीकेशन (बी.बी.क.)</li> <li>पीएच. डी.</li> </ul>
8	पुर्णवास विज्ञान	<ul style="list-style-type: none"> <li>बी.आर. एससी</li> <li>एम.आर. एससी</li> </ul>

## 2. परिभाषा एवं मुख्य शब्द

- "अधिनियम" का तात्पर्य छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 एवं उसके बाद के संशोधनों से है।
- "विश्वविद्यालय" का अर्थ है छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 के तहत स्थापित आजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़।
- "छात्र" का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जिसे आजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा समय-समय पर स्नातक/स्नातकोत्तर डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रयेश के लिए तथ की गई प्रक्रिया के अनुसार इस विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रयेश दिया गया है।
- "साइंस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीपीसीएस)" का तात्पर्य एक ऐसा कार्यक्रम है जो छात्रों को यूजीसी/संबंधित नियामक निकाय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रमों (कोर कोर्स, अनिवार्य पाठ्यक्रम, प्रौफेशनल कोर, प्रौफेशनल इलेक्ट्रिक्स,

ओपन इलेक्ट्रो, माइनर ट्रैक, ऐल्यू एडेंड, रिकल एन्हासमेट कोर्स आदि) में से चुनने का विकल्प प्रदान करता है। जाहीं भी लागू हो और विश्वविद्यालय के उपयुक्त निकायों द्वारा अनुमोदित हो।

2.5 "पाठ्यक्रम" का अर्थ वितरण के विभिन्न तरीकों के माध्यम से "पेपर" से है तथा यह किसी कार्यक्रम का एक घटक है, जैसा कि संबंधित कार्यक्रम संरचना में विस्तृत रूप से बताया गया है।

2.6 "ब्रैडिट प्लाइट" का अर्थ किसी पाठ्यक्रम के लिए ग्रेड प्लाइट और क्रेडिट की संख्या का उत्पाद है।

2.7 "ब्रैडिट" का अर्थ है एक इकाई जिसके द्वारा कोर्स वर्क को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक निर्देशों के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट प्रति सप्ताह एक घंटे की पराई (व्याख्यान, टेक्नोलॉजी या सेमिनार) या प्रति सप्ताह दो घंटे के व्यायाहरिक कार्य/क्लॉड कार्य/प्रोजेक्ट आदि के बराबर होता है। प्रत्येक कोर्स के लिए क्रेडिट की संख्या संबंधित परीक्षा योजना में परिभाषित की जाएगी।

2.8 "संचयी ग्रेड प्लाइट औसत (सीजीपीए)" का अर्थ है सभी सेमेस्टर में एक छात्र के समय संचयी प्रदर्शन का माप। छात्र संबंधित सेमेस्टर तक पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट पॉइंट और संबंधित सेमेस्टर में सभी पंजीकृत पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट पॉइंट के योग का अनुपात है। इसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया जाएगा।

2.9 "सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट एवरेज (एसजीपीए)" का अर्थ है किसी विशेष सेमेस्टर में छात्र के प्रदर्शन का माप। यह एक सेमेस्टर में पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों और उस सेमेस्टर में सभी पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट का अनुपात है। इसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया जाएगा।

2.10 "ग्रेडवाइट" का अर्थ है 10-पॉइंट स्केल पर या समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रत्येक अधार ग्रेड के लिए आवधित संख्यात्मक भाव।

2.11 "लेटर ग्रेड" का अर्थ किसी पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रदर्शन का सूचकांक है। ये अंकों O, A+, A, B+, B, C, P और F अक्षरों से दर्शाया जाता है। का अर्थ है किसी पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रदर्शन का सूचकांक। ये अंकों O, A+, A, B+, B, C, P, F और AB अक्षरों से दर्शाया जाता है।

2.12 "सेमेस्टर" का अर्थ 12-15 सप्ताह के शिक्षण कार्य में फैला एक शैक्षणिक सत्र है। विषम सेमेस्टर आमतौर पर जुलाई से दिसंबर तक और सम सेमेस्टर जनवरी से जून तक निर्धारित किया जा सकता है।

2.13 "ग्रेड शीट" का अर्थ अर्जित ग्रेड के अधार पर एक प्रमाण पत्र है। प्रत्येक सेमेस्टर के बाद परीक्षा के लिए पंजीकृत सभी छात्रों को ग्रेड शीट जारी की जाएगी। ग्रेड शीट में पाठ्यक्रम विवरण (कोड, शीर्षक, क्रेडिट की संख्या, ग्रेड सुरक्षित) के साथ-साथ सेमेस्टर का एसजीपीए और उस सेमेस्टर तक अर्जित सीजीपीए शामिल होगा। अतिम सेमेस्टर ग्रेड शीट में आवधित आधिकारिक अंकों में से सभी सेमेस्टर में छात्र द्वारा प्राप्त अंकों का संचयी योग भी प्रतिविधित होगा, जिसके लिए पाठ्यक्रम के ग्रेड का मूल्यांकन किया गया था। हालांकि, अतिम परिणाम ग्रेड/सीजीपीए पर आधारित होगा।

2.14 "प्रतिलेख" का अर्थ पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद पाठ्यक्रम में सभी नामांकित छात्रों को जारी किया गया प्रमाण पत्र है। इसमें सभी सेमेस्टर का एसजीपीए और सीजीपीए शामिल है।

2.15 "एनाईपी" का भवालव राष्ट्रीय शिक्षा भीति-2020 है।

2.16 "एनएसक्यूएफ" का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा है।

2.17 "एनएचईक्यूएफ" का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित "एनएचईक्यूएफ" राष्ट्रीय रच्च शिक्षा योग्यता ढांचा है।

2.18 "यूसीएफ" का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित एकीकृत क्रेडिट स्तर है।

2.19 "अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स" का अर्थ है ये छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 5/यूसीएफ स्तर 4.5 की आवश्यकता पूरी कर ली है।

2.20 "अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स" का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईव्यूएफ स्तर 5/यूसीएफ 6 की आयश्यकता पूरी कर ली है।

2.21 "बैचलर डिप्री" का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईव्यूएफ स्तर 5.5/यूसीएफ स्तर 7 की आयश्यकता पूरी कर ली है।

2.22 "बैचलर डिप्री (ऑनर्स/रिसर्च)" का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईव्यूएफ स्तर 6/यूसीएफ स्तर 8 की आयश्यकता पूरी कर ली है।

2.23 "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्री कोर्स" 2-वर्षीय पीजी, 3-वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के बाद 2 वर्षीय पीजी में प्रवेश करने वाले छात्र या 1 वर्षीय पीजी, 4 वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के बाद 1 वर्षीय पीजी में प्रवेश करने वाले छात्र ऑनर्स/रिसर्च के साथ।

2.24 "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स" पीजी पाठ्यक्रम के लिए, दो-वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए केवल एक निकास बिंदु होगा। प्रथम वर्ष के अंत में बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा से प्रदान किया जाएगा।

2.25 "पाठ्यक्रम अंजीकरण" का तात्पर्य उचित रिकोर्ड बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय में संकाय सलाहकार (जिसे संरक्षक, परामर्शदाता, कक्षा शिक्षक आदि भी कहा जाता है) की देखरेख में प्रत्येक छात्र द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन के पाठ्यक्रमों में पंजीकरण को संदर्भित करता है।

2.26 "पाठ्यक्रम मूल्यांकन" शिक्षण-सीखने प्रक्रिया की प्रक्रिया के प्रमाण के माप का प्रतिनिधित्व करता है और पाठ्यक्रमों और शिक्षण प्रदर्शन में सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक अयसर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम मूल्यांकन परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, असाइनमेंट इत्यादि जैसे यिभिन्न तरीकों को अपनाकर शिक्षण-सीखने की अवधि के दौरान पाठ्यक्रम सामग्री के कुछ मौख्यूल या अद्यायों के अंत में और सेमेस्टर का अंत। जबकि मूल्यांकन के पूर्व भाग को सतत आठवटिक मूल्यांकन कहा जाता है और मूल्यांकन के बाद वे भाग को अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन कहा जाता है।

2.27 "क्रेडिट आवारित पाठ्यक्रम संरचना" प्रत्येक पाठ्यक्रम में क्रेडिट की एक निर्धारित रखवा होती है। क्रेडिट पाठ्यक्रम संरचना पर आधारित होती है, जिसमें शिक्षण भोग और व्याख्यान, ट्रूटोरियल और व्यावहारिक कक्षाओं ये लिए संपर्क घंटों की संख्या शामिल है। क्रेडिट संपर्क घंटों की संख्या, पाठ्यक्रम सामग्री और शिक्षण पद्धति और आवटित अधिकातम अंकों पर आधारित होती है। क्रेडिट विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाएंगे। क्रेडिट की गणना निम्नमुद्दार की जा सकती है :

- 12-15 सप्ताह तक प्रति सप्ताह एक घंटे का सिद्धात/ ट्रूटोरियल दो घंटे का प्रयोगशाला कार्य जिसके परिणामस्वरूप एक क्रेडिट प्रदान किया जाएगा।
- इंटर्नशिप के लिए क्रेडिट प्रशिक्षण के प्रति सप्ताह एक क्रेडिट होगा, जो एक सेमेस्टर में अधिकतम छह क्रेडिट के अधीन होगा।
- परियोजना/निकंय: 12-15 सप्ताह तक प्रति सप्ताह दो घंटे का परियोजना/अनुसंधान कार्य जिसके परिणामस्वरूप एक क्रेडिट प्रदान किया जाएगा।

2.28 "एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी)" एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी), एक राष्ट्रीय स्तर की सुविधा है जो उचित "क्रेडिट ट्रांसफर" तंत्र के साथ देश में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में छात्रों के पाठ्यक्रम ढांचे के लचीलेपन और अंतिमिक्य/बहुविषयक शैक्षणिक गतिशीलता को बढ़ावा देगी।

2.29 "मल्टीपल एंट्री एवं एग्जिट" "मल्टीपल एंट्री -एग्जिट" का अर्थ है एचईआई में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों में कई प्रविष्टियाँ और निकास बिंदु जो कठोर सीमाओं को हटा देंगे और छात्रों के लिए नई संभावनाएं पेदा करेंगे। ऐसे अयसर आते हैं जब यिभिन्न कारणों से विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़नी पड़ती है। निर्धारित अवधि के सीतर लचीली शिक्षा की सुविधा के लिए, जरूरतमंद छात्रों को कई निकास और प्रवेश विकल्प दिए जाते हैं। छात्र केवल सम सेमेस्टर (दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर) के अंत में ही पाठ्यक्रम से बाहर निकल सकता है और छात्रों को विषम सेमेस्टर (तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर) की शुरुआत में प्रवेश का विकल्प प्रदान किया जाता है।

## प्रवेश डेतु पात्रता:

3.1 इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश नियम और दिशा-निर्देश यूजीसी और राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार होंगे।

3.2 यह छात्र जिसने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, छत्तीसगढ़ से ग्रेड 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है या राज्य और केंद्र सरकार और अन्य वैद्यानिक निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य बोर्ड से समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है या संबंधित नियामक निकाय द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करता है, ऐसी स्थिति में इन स्नातक कार्यक्रमों के लिए बाद याली शर्तें लागू होंगी।

## सीटों की संख्या :

3.3 किसी कार्यक्रम में छात्र नामांकन विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित सीटों तक ही सीमित होगा। किसी भी स्नातक कार्यक्रम को शुरू करने के लिए छात्रों की संख्या 60 होगी और स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए यह संख्या 40 होगी। आवंटित सीटों में वृद्धि मूल इकाई के गुणक होगी जिसे प्रबंधन बोर्ड (बीजोएम) से मान्य करने के उपरान्त सीजीपीयूआरसी को सूचना देकर किया जा सकता है।

3.4 इस अव्यादेश के प्राक्षयानों के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश क्षमता का निर्धारण पहले ही कर लिया जाएगा और यह शैक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू होगी।

3.5 उपलब्ध शैक्षणिक और भौतिक सुविधाओं के आधार पर, विश्वविद्यालय प्रथम डिग्री कार्यक्रम के दूसरे वर्ष, तीसरे वर्ष, चौथे वर्ष में पार्श्व प्रवेशकों के लिए कार्यक्रम के पिछले वर्ष के लिए स्वीकृत सीटों की अपिकरतम 10 सीटें निर्धारित कर सकता है, यदि छात्रों ने किसी संस्थान में उसी कार्यक्रम के पहले वर्ष/दूसरे वर्ष/तीसरे वर्ष को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और सीजीपीयूआरसी को सूचना देकर पदार्थ में द्वेष के बाद कार्यक्रम में फिर से प्रवेश करना चाहता है।

3.6 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का प्रवेश और अतिरिक्त सीटें

- विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उनके द्वारा घासित प्रवेश योग्यता की समतुल्यता के आधार पर प्रवेश दे सकता है। समतुल्यता का निर्धारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) या यूजीसी द्वारा इस उद्देश्य के लिए मान्यता प्राप्त किसी अन्य निकाय या देश के संबंधित नियामक निकायों द्वारा किया जाना है। विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को प्रवेश देने के लिए पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया अपना सकता है।
- विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृत कुल नामांकन के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 25% तक अतिरिक्त सीटें बना सकता है। 25% अतिरिक्त सीटों के बारे में निर्णय संबंधित चाल शिक्षण संस्थानों द्वारा बुनियादी ढांचे, संकाय और अन्य आवश्यकताओं पर विचार करते हुए नियामक निकायों द्वारा जारी किए गए विशिष्ट दिशा-निर्देशों/विनियमों के अनुसार किया जाना चाहिए।
- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 25% अतिरिक्त सीटों में संस्थानों के बीच या मारता सरकार और अन्य देशों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से प्रस्तावित विनियम कार्यक्रमों के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्र शामिल नहीं होंगे।
- बुनियादी ढांचे और योग्य संकाय की उपलब्धता के आधार पर, जहां भी सम्भव हो, इन 25% सीटों को उच्च शिक्षण संस्थान के सभी विभागों, रस्तों, केंद्रों या किसी अन्य शैक्षणिक इकाई के बीच विस्तरित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों ही कार्यक्रमों में अतिरिक्त सीटें केवल अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए होंगी। अतिरिक्त श्रेणी में रिक्त रह गई सीट अंतर्राष्ट्रीय छात्र के अतिरिक्त किसी अन्य को आवंटित नहीं की जाएगी। इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाएगा जिसके पास विदेशी पासपोर्ट होगा।
- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए अतिरिक्त सीटें बनाने के प्राक्षयान को समय-समय पर नियामक निकायों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों/विनियमों के अनुसार विश्वविद्यालय के वैद्यानिक निकाय / निकायों के अनुसादन के माध्यम से औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए।

3.7 राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय छात्रों द्वारा इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज (टीसीसीसीज्ञाइज्डेशन आदि) नियमक निकायों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार या प्रबंधन बोर्ड से पूर्व अनुमोदन के साथ अकादमिक परिवद द्वारा तय किए जाएंगे।

3.8 शैक्षणिक कार्यक्रमों में कई प्रवेश और निकास बिंदुओं को स्थान करने के लिए, प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और डिग्री जैसी योग्यताएं स्तर 4.5 से स्तर 6 तक बढ़ते क्रम में स्तरों की एक श्रृंखला में व्यवस्थित की जाती हैं। स्तर 4.5 प्रमाण पत्र का प्रतिनिधित्व करता है, स्तर 5 डिप्लोमा का प्रतिनिधित्व करता है, स्तर 5.5 स्नातक की डिग्री का प्रतिनिधित्व करता है स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए प्रवेश और निकास के विकल्प निम्नानुसार होंगे रु

**यूजी स्टर्टिफिकेट:** जो छात्र पहले वर्ष की समाप्ति के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 40 क्रेडिट प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें यूजी स्टर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, यदि इसके अतिरिक्त, वे पहले वर्ष की गर्मी की छुटियों के दौरान 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करते हैं। इन छात्रों को तीन वर्षों के भीतर डिग्री कार्यक्रम में पुनः प्रवेश करने और निर्धारित अधिकतम सात वर्षों की अवधि के भीतर डिग्री कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति है।

**यूजी डिप्लोमा:** जो छात्र दूसरे वर्ष की समाप्ति के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 80 क्रेडिट प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा, यदि इसके अतिरिक्त, वे दूसरे वर्ष की गर्मी की छुटियों के दौरान 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करते हैं। इन छात्रों को तीन वर्षों की अवधि के भीतर पुनः प्रवेश करने और अधिकतम सात वर्षों की अवधि के भीतर डिग्री कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति है।

**वर्षीय यूजी डिग्री:** जो छात्र 3-वर्षीय यूजी कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूरा करने, 120 क्रेडिट प्राप्त करने और न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा करने के बाद प्रमुख विषय में यूजी डिग्री प्रदान की जाएगी।

**वर्षीय यूजी डिग्री (ऑनसी) :** प्रमुख विषयों में घार वर्षीय यूजी ऑनसी डिग्री उन लोगों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने 160 क्रेडिट के साथ घार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम पूरा किया है और तात्काल 1 में दी गई क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा किया है।

**4 वर्षीय यूजी डिग्री (रिसर्च के साथ ऑनसी):** जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75 या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं और स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विश्वविद्यालय के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में शोध परियोजना या शोध प्रबन्ध करना चाहिए। शोध परियोजनाशोध प्रबन्ध प्रमुख विषय में होना चाहिए। जो छात्र 160 क्रेडिट प्राप्त करते हैं, जिसमें एक होध परियोजना/शोध प्रबन्ध से 12 क्रेडिट शामिल है, उन्हें यूजी डिग्री (रिसर्च के साथ ऑनसी) प्रदान की जाती है।

**सिंगल मेजर के साथ यूजी डिग्री प्रोग्राम:** एक छात्र को सिंगल मेजर के रूप में प्रदान की जाने वाली 3-वर्षीय/4-वर्षीय यूजी डिग्री के लिए प्रमुख विषय से न्यूनतम 50% क्रेडिट प्राप्त करना होगा।

**डबल मेजर के साथ यूजी डिग्री प्रोग्राम:** डबल मेजर प्राप्त करने के लिए छात्र को 3-वर्षीय/4-वर्षीय यूजी डिग्री के लिए दूसरे प्रमुख विषय से न्यूनतम 40% क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

**अंतर्विषयक यूजी कार्यक्रम:** कोर पाठ्यक्रमों के क्रेडिट घटक विषयोंविषयों के बीच वितरित किए जाएंगे ताकि अंतर्विषयक कार्यक्रम में गुरुत्व योग्यता प्राप्त की जा सके।

**महुविषयक यूजी कार्यक्रम:** बहुविषयक अध्ययन कार्यक्रम का अनुसरण करने वाले छात्रों के मामले में, कोर पाठ्यक्रमों के क्रेडिट व्यापक विषयों जैसे कि जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणितीय और कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विश्लेषण, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के बीच वितरित किए जाएंगे।

**विश्वविद्यालय के वैद्यानिक निकाय जैसे अध्ययन बोर्ड और अकादमिक परिवद प्रमुख श्रेणी के तहत पाठ्यक्रमों की सूची और दोहरे प्रमुख, अंतर्विषयक कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट वितरण पर निर्णय लेंगे। प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताएं निम्नांकित हैं:**

## तात्त्विक-2: योग्यता प्रकार और क्रेडिट अवधिकरण

NHEQF संख्या	योग्यता शीर्षक/नामकरण	क्रेडिट अवधिकरण (न्यूनतम)
लेखा 4.5	अंडरएंजुएट प्रोग्रामपत्र (सीखने/पिछव के लिए जो अंडरएंजुएट प्रोग्राम के पहले वर्ष (2 सेमेस्टर) के बाद निकास करते हैं। (कार्यक्रम की अधिकारी : अंडरएंजुएट प्रोग्राम का पहला वर्ष या 2 सेमेस्टर)	40 क्रेडिट
लेखा 5	अंडरएंजुएट डिप्लोमा (सीखने/पिछव के लिए जो अंडरएंजुएट प्रोग्राम के पहले दो वर्षों (4 सेमेस्टर) के बाद निकास करते हैं। (कार्यक्रम की अधिकारी : अंडरएंजुएट प्रोग्राम के पहले दो वर्ष या 4 सेमेस्टर)	80 क्रेडिट
लेखा 5.5	स्नातक की डिप्लोमा (उपाधिरण: कला स्नातक, पिछाना स्नातक, वाणिज्य स्नातक, व्यवसाय प्रशासन स्नातक, आदि) (कार्यक्रम की अधिकारी: तीन वर्ष या 8 सेमेस्टर)	120 क्रेडिट
लेखा 5.5	व्यवसाय स्नातक (वी.यॉक) (कार्यक्रम की अधिकारी: 3 वर्ष या 6 सेमेस्टर)	120 क्रेडिट
लेखा 6	इंजीनियरिंग स्नातक (वी.इ.), प्रौद्योगिकी स्नातक (वी.टेक) (कार्यक्रम की अधिकारी: चार वर्ष या 8 सेमेस्टर)	180 क्रेडिट
लेखा 6	वी.ए., वी.ए.ज., वी.एस.सी., वी.ए.ड., वी.कॉम., वी.ए.ड. (4-वर्षीय दोहरी डिप्लोमा प्रोग्राम के साथ स्नातक)	180 क्रेडिट
लेखा 6	स्नातक डिप्लोमा (ऑनर्स/अनुसंधान के साथ ऑनर्स) (कार्यक्रम की अधिकारी: चार वर्ष या 8 सेमेस्टर)	180 क्रेडिट
लेखा 6	स्नातकोत्तर डिप्लोमा। यह स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पहले वर्ष या दो सेमेस्टर की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद काउर निकास है। (कार्यक्रम की अधिकारी: एक वर्ष या 2 सेमेस्टर)	40 क्रेडिट
लेखा 6.5	मास्टर की डिप्लोमा (जैसे: एम.ए., एम.कॉम., एम.एस.सी., आदि) (कार्यक्रम की अधिकारी : तीन वर्ष की स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद दो वर्ष या चार सेमेस्टर)	80 क्रेडिट
लेखा 6.5	मास्टर की डिप्लोमा (जैसे: एम.ई., एम.टेक. आदि) (कार्यक्रम की अधिकारी : वी.इ., वी.टेक. आदि स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद दो वर्ष या चार सेमेस्टर)	40 क्रेडिट
लेखा 7	मास्टर की डिप्लोमा (जैसे: एम.ई., एम.टेक. आदि) (कार्यक्रम की अधिकारी : वी.इ., वी.टेक. आदि स्नातक डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद दो वर्ष या चार सेमेस्टर)	80 क्रेडिट
लेखा 8	सॉल्यूटरल डिप्लोमा	कोई वर्ष, शौध प्रबंध और प्रकाशित कार्य

## टिप्पणी :

- आँखें छात्र जो शोध नहीं कर सके हैं ये एक शोध परियोजना/शोध प्रबंध के बदले में 12 क्रेडिट के लिए 3 पाठ्यक्रम पूरा करेंगे।

ii. यूजीसी/ सांविधिक निकायों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय अतिरिक्त क्लैडिट इस तरह से आवंटित कर सकता है जिससे छात्रों को न्यूनतम क्लैडिट आवश्यकताओं को पूरा करने में सुविधा हो।

#### 4. स्नातक पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय संकेत घटक:

पाठ्यक्रम में प्रमुख स्ट्रीम पाठ्यक्रम, लघु स्ट्रीम पाठ्यक्रम और अन्य विषयों के भाग पाठ्यक्रम, भाषा पाठ्यक्रम, कौशल पाठ्यक्रम और पर्याप्तता विज्ञा, भारत की समझना, हिंदू और तकनीकी समाजान, स्वास्थ्य और कल्याण, योग विज्ञा और खेल पर पाठ्यक्रमों का एक सेट शामिल है। किटनेस दूसरे सेमेस्टर के अंत में, छात्र या तो चुने गए प्रमुख विषय को जारी रखने का निर्णय ले सकते हैं या प्रमुख विषय में बदलाव का अनुरोध कर सकते हैं। लघु स्ट्रीम पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल हैं जो छात्रों को नौकरी-उन्मुख कौशल से लैस करने में मदद करेंगे।

#### 5. अनुशासनात्मक/अंतर्विषय मेजर:

मेजर, छात्र यों किसी विशेष विषय या अनुशासन का गहन अध्ययन करने का अवशार प्रदान करेगा। छात्रों को पहले वर्ष के दौरान अंतर्विषय पाठ्यक्रमों का पता लगाने के लिए पर्याप्त समय देकर दूसरे सेमेस्टर के अंत में व्यापक अनुशासन के भीतर प्रमुख बदलाव करने की अनुमति दी जा सकती है। सातवें सेमेस्टर में उन्नत स्तर के अनुशासनात्मक/अंतर्विषय पाठ्यक्रम, अनुसंधान पद्धति में एक पाठ्यक्रम और एक परियोजना/शोध प्रक्रम आयोजित किया जाएगा। अंतिम सेमेस्टर सेमिनार प्रस्तुति, रीयारी और परियोजना रिपोर्ट/शोध प्रक्रम प्रस्तुत करने के लिए सार्वप्रीत होंगा। परियोजना कार्य/शोध प्रक्रम अध्ययन के अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम के किसी विषय या अंतर्विषय विषय पर होगा।

#### 6. अनुशासनात्मक/ अंतर्विषय भाइनर:

विद्यार्थियों द्वारा चुने गए व्यावसायिक विज्ञा कार्यक्रम से संबंधित अनुशासनात्मक/अंतर्विषयक लघु और कौशल-आवारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चुनने का विकल्प होगा। जो छात्र चुने गए नुस्खे विषयों के अलावा किसी विषय या अंतर्विषय अध्ययन क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पाठ्यक्रम लेते हैं, ये उस विषय या चुने गए अंतर्विषय अध्ययन क्षेत्र में मानूसी पाठ्यक्रम के लिए अहंका आवारण करेंगे। छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों की छोड़ करने के बाद दूसरे सेमेस्टर के अंत में भाइनर और व्यावसायिक स्ट्रीम की पसंद की घोषणा कर सकता है।

#### 7. व्यावसायिक विज्ञा एवं प्रशिक्षण:

व्यावसायिक विज्ञा और प्रशिक्षण सिद्धांत और व्यावहारिक के साथ-साथ कौशल प्रदान करने के लिए स्नातक पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग होनेगा। व्यावसायिक विज्ञा और प्रशिक्षण से राबित भाइनर स्ट्रीप के लिए न्यूनतम 12 क्लैडिट आवंटित किए जाएंगे और ये छात्र के प्रमुख या छाटे अनुशासन या पसंद से संबंधित हो सकते हैं। ये पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए नौकरी ढूँढ़ने में उपयोगी होंगे जो पाठ्यक्रम पूरा करने से पहले ही बाहर निकल जाते हैं।

#### 8. अन्य विषयों से पाठ्यक्रम (बहुविषयक) (Multi Subject):

सभी यूजी छात्रों को नीचे दिए गए किसी भी व्यापक विषय से संबंधित 3 प्रारंभिक स्तर के पाठ्यक्रमों से भुजरना आवश्यक है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य बीहिक अनुभव को व्यापक बनाना और उदाहरण कला और विज्ञान विज्ञा का हिस्सा बनाना है। छात्रों को इस श्रेणी के तहत प्रस्तावित प्रमुख और लघु स्ट्रीम में उच्च माध्यमिक स्तर (12वीं कक्षा) में पहले से ही किए गए पाठ्यक्रमों को चुनने या दोहराने की अनुमति नहीं है।

#### 8.1 प्राकृतिक और भौतिक विज्ञान: छात्र प्राकृतिक विज्ञान जैसे विषयों से चुनियादी पाठ्यक्रम चुन सकते हैं, उदाहरण के लिए, जीवविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जैव भौतिकी, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान, बाइकोबायोलॉजी, फोरेंसिक विज्ञान आदि।

#### 8.2 गणित, सांखिकी और कंप्यूटर अनुप्रयोग: इस श्रेणी के अंतर्गत पाठ्यक्रम छात्रों को अपने प्रमुख और लघु विषयों में संपर्करणों और तकनीकों का उपयोग करने और लागू करने की सुविधा प्रदान करेंगे। पाठ्यक्रम में पायथन जैसे प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर और एसटीएटीए, एसपीएसएस, टेली आदि जैसे एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षण लाभिल हो सकता है। इस श्रेणी के तहत चुनियादी पाठ्यक्रम डेटा विश्लेषण और मात्रात्मक संपर्करणों के अनुप्रयोग में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए सहायक होंगे।

#### 8.3 पुस्तकालय, सूचना और भीड़िया विज्ञान: इस श्रेणी के पाठ्यक्रम छात्रों को सूचना और भीड़िया विज्ञान (पत्रकारिता, जन भीड़िया और संचार) में हाल के विकास को समझने में मदद करेंगे।

8.4 वाणिज्य और प्रबंधन: पाठ्यक्रमों में व्यवसाय प्रबंधन, अकाउंटेंसी, वित्त, वित्तीय संस्थान, फिनेंटिक आदि शामिल हैं।

8.5 मानविकी और सामाजिक विज्ञान: सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम, उदाहरण के लिए, मानव विज्ञान, संचार और पीड़िया, अर्थशास्त्र, इतिहास, भाषा विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र, आदि छात्रों को व्यक्तियों और उनके सामाजिक व्यवहार को समझने में सहाय बनाएंगे। समाज और राष्ट्र छात्रों को भारत के लिए सर्वेक्षण पढ़ाते और सप्तसंघ बड़े पैमाने के डेटाबेस से परिचित कराया जाएगा। मानविकी के अतर्गत पाठ्यक्रमों में शामिल हैं, उदाहरण के लिए, पुरुतात्त्व, इतिहास, तुलनात्मक साहित्य, कला और रचनात्मक अभियांत्रियों, रचनात्मक लेखन और साहित्य, भाषाएं, दर्शनशास्त्र, आदि, और मानविकी से संबंधित अंतरिक्षय पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रमों की सूची जिसमें साहित्यात्मक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, लिंग अध्ययन, वैशिक पर्यावरण और स्वास्थ्य, अतर्कृतीय संघर्ष, राजनीतिक अर्थव्यवस्था और विकास, सतत विकास, महिला और लिंग अध्ययन आदि जैसे अंतरिक्षय विषय शामिल हो सकते हैं, समाज को समझने के लिए उपयोगी होंगे।

#### 9. समता संरक्षण पाठ्यक्रम (एसीसी) (१० क्रेडिट):

आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) और अंग्रेजी भाषा भाषा और संचार कौशल पर केंद्रित है। छात्रों को भाषा और संचार कौशल पर ध्यान देने के साथ आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) और अंग्रेजी भाषा में ढक्का हासिल करने की आवश्यकता होती है। पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को महत्वपूर्ण पढ़ाने और व्याख्यातात्मक और अकादमिक लेखन कौशल सहित मुख्य भाषाएं कौशल हासिल करने और प्रदर्शित करने में सहाय बनाना है, जो छात्रों को अपने तर्कों की स्पष्ट करने और अपनी रीच की स्पष्ट और सुरक्षित रूप से प्रस्तुत करने में मदद करता है और ज्ञान के मध्यस्थ के रूप में भाषा को पहचानता है। और पहचान, ये छात्रों को चुनी हुई एमआईएल और अंग्रेजी भाषा यी रारकृतिक और वैशिक विश्वासत हो परिचित कराने में रहाय बनाएंगे, साथ ही एमआईएल और अंग्रेजी भाषा दोनों से संबंधित भाषा/साहित्य यी संरक्षण और जटिलता यी वित्तनशील राष्ट्रम प्रदान करेंगे। पाठ्यक्रम संचार जैसे कौशल के विकास और दृष्टि, और यार्दी और यहस में भाष्य लेने/साधारण करने जैसी क्षमता पर भी जोर देंगे।

#### 10. कौशल संरक्षण पाठ्यक्रम (एसीसी):

इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों की संज्ञानात्मक कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण, सॉफ्ट सिक्ल आदि प्रदान करना है। विश्वविद्यालय छात्रों की आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार पाठ्यक्रम डिजाइन कर सकता है।

#### 11. सभी युगी छात्रों के लिए गूह्य-वर्तित पाठ्यक्रम (वीएसी) (४-६ क्रेडिट):

11.1 **भारत की संकलना :** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों जो अपने ऐतिहासिक परिषेक्य, राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों और नीतियों की मुनियादी दार्शनी और संविधानिक मूल्यों और पीड़ियक पर विशेष जोर देने के साथ संविधानिक दायित्वों के साथ समझलीन भारत के ज्ञान और समझ को प्राप्त करने और प्रदर्शित करने में सहाय बनाना है। अविकार और कर्तव्य। यह पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणालियों, भारतीय शिक्षा प्रणाली और सामाज्य रूप से राष्ट्र और राष्ट्र/समुदाय/समाज के प्रति विद्यार्थी की भूमिकाओं और व्यायामों के बारे में छात्र-विद्यार्थी के बीच संवाद विकसित करने पर भी व्यापक केंद्रित करेगा। यह पाठ्यक्रम भारत के स्पष्टांतरता लंग्राम और दुसरे मूल्यों और आरामों के बारे में ज्ञान को गहरा करने और दैश के सभी गर्भों और क्षेत्रों के लोगों हांसा किए गए योगदान की स्तरान्वयन विकसित करने और विकार्यों की मूल्यों को समझाने और संजोने में मदद करने का प्रयास करेगा। भारतीय संक्षिप्तान में निहित और उन्हें एक सौकर्तात्त्विक समाज के प्रकारी मानविकी के रूप में उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए जीवन करना।

11.2 **पर्यावरण विज्ञान/विज्ञा :** पाठ्यक्रम छात्रों को पर्यावरणीय विश्वायट, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण, प्रभावी अपरिवर्त विकास, संरक्षण के प्रभावों को कम करने के लिए उद्दित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक अंगित ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों की तात्पुर करने की क्षमता से लैस करना चाहता है। जीविक विविधता, जीविक संसाधनों का प्रबंधन, वन और वन्यजीव संरक्षण, और सतत विकास और जीवनवायन। यह पाठ्यक्रम भारत के पर्यावरण की समग्रता, इसकी संवादात्मक प्रक्रियाओं और लोगों की जीवन की गविष्य की गुणवत्ता पर इसके प्रभावों के ज्ञान और समझ को भी घाहा करेगा।

11.3 **विजिटर और तकनीकी समाचार :** अन्तर्विद्युनिक क्षेत्रों में पाठ्यक्रम जो दैनिक से प्रभुखता प्राप्त कर रहे हैं, जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ३-दी मर्फीनिंग, विंग ट्रेटा विलेवन, मर्फीन लर्निंग, ड्रोन ट्रेक्सोलॉजीज, और स्वास्थ्य, पर्यावरण और टिकाऊ

जीवन के लिए महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के साथ गहन शिक्षा जो युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए स्नातक शिक्षा में शामिल की जाएगी।

**11.4 स्वास्थ्य और कल्याण, योग शिक्षा, खेल और फिटनेस स्वास्थ्य और तदुरस्ती से सबधित पाठ्यक्रम घटक व्यक्ति के शारीरिक, भावनात्मक शारीरिक सामाजिक और आर्थिक और पाठ्यात्मक तदुरस्ती की इष्टतम रिधिति को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। खेल और तदुरस्ती गतिविधियों नियमित विश्वविद्यालय कार्य घटों के बाहर आयोजित की जाएगी योग शिक्षा छात्रों को उनकी शारीरिक, मानसिक और आर्थिक ज्ञानात्मकों के एकीकरण के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करने और उन्हें अपने व्यक्तित्व के दौरे में बुनियादी ज्ञान से लैस करने आत्म-जनुशासन और आत्म-नियन्त्रण बनाए रखने सभी जीवन विधियों में जुट को अच्छी तरह से संबंधित के लिए सीधारे पर इधान कैंटिट करेगी। पाठ्यक्रम के खेल और तदुरस्ती घटकों का इधान शारीरिक तदुरस्ती के सुधार पर होगा जिसमें ताकत गति सम्बन्धीय और सर्वीक्षण और सर्वीक्षण और शारीरिक और जीवन-संबंधित तदुरस्ती के विभिन्न घटकों का सुधार ज्ञानित है और टोटर जीवन सहित खेल कीशरण का अधिग्रहण और साथ ही किसी विशेष खेल से सबधित बुनियादी ज्ञानों कीशरण सामरिक ज्ञानात्मकों ने सुधारणा और मानसिक ज्ञानात्मकों में सुधार। विश्वविद्यालय आपरेक्टानुसार जनुशासन से सबधित या सभी यूजी कार्यक्रमों के लिए समान अन्य नवीन बुद्धिवर्ती पाठ्यक्रम शुरू करेगा।**

## 12 भारतीय ज्ञान प्रणाली

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेरा) से संबधित पाठ्यक्रम ज्ञानात्मकों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

अ आईकेरा रामी विद्यायों के लिए यूजी पाठ्यक्रम का एक उपर्युक्त अंग होगा।

ब आईकेरा में लिए गए क्रेटिट बार साल के यूजी कार्यक्रमों में बुल अनियावै क्रेटिट का कम से कम 5 होना चाहिए आईकेरा को आविष्ट क्रेटिट का रूप से कम 60 मुत्त्य अनुशासनात्मक और ग्रु-विद्याक पाठ्यक्रमों को आविष्ट किया जाएगा। छात्रों को आईकेरा का डिप्रेस बनने वाले किसी भी विषय/विषय में इटर्नशिप/प्रशिक्षण रूप विकल्प चुनने की अनुमति दी जा सकती है।

स इसके अलावा विश्वविद्यालय यूजी कार्यक्रम के एहते बार संमरठर के दौरान आईकेरा के आधारभूत पाठ्यक्रमों में कम से कम एक/दो वेपर सुनिश्चित करेगा, जिसमें मूल्य विद्युत पाठ्यक्रम (वीएसी) के हिस्से के रूप में न्यूनतम तीनसाल क्रेटिट (क्रमशः तीन साल/बार साल के यूजी कार्यक्रम) होंगे।

द आईकेरा के अतर्गत पाठ्यक्रमों को व्यायित विद्यायों/ड्रॉविंग्स में आधारभूत पाठ्यक्रम (आईकेरा के लिए विशिष्ट) और दैक्षिण्यक पाठ्यक्रम (विषय विशेष) में वर्गीकृत किया जाएगा।

1 आधारभूत पाठ्यक्रम इसने आईकेरा के एस का बुनियादी ज्ञान ज्ञानित होगा और इसमें भारतीय साहित्य संस्कृति ग्रामाल विज्ञान कला और वित्त वास्तुकला समीक्षा आदि का बुनियादी ज्ञान ज्ञानित हो सकता है।

2 दैक्षिण्यक पाठ्यक्रम (विषय विशेष) इसमें भारतीय गणित और भारतीय खगोल विज्ञान जैसे विशिष्ट विषयों से संबधित उभयत ज्ञान ज्ञानित है। यह प्रमुख विषय का हिस्सा होगा।

## 13. ग्रीष्मकालीन इटर्नशिप/प्रशिक्षण (2 – 4 क्रेटिट)

नए यूजी पाठ्यक्रम का एक प्रमुख पहलू वास्तविक कार्य विधियों में शामिल होना है। सभी छात्रों की ग्रीष्मकालीन ज्ञानित के दौरान किसी फर्म उद्योग या संगठन ने इटर्नशिप/प्रशिक्षण या अपने स्वयं के या अन्य एचईआई/अनुशासन संस्थानों में सकाय और होधकर्ताओं के साथ प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण से भी गुजरना होगा। छात्रों को स्थानीय उद्योग व्यावसायिक संगठनों व्यवस्था और संबद्ध होने, स्थानीय सरकारों (जैसे पचायत, नगर पालिकाओं) संसद या निर्वाचित प्रतिनिधियों भीड़िया संगठनों कलाकारों वित्तकारों और विभिन्न प्रकार के संगठनों के साथ इटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाएंगे। ताकि छात्र अपने सीखने के व्यायामिक पक्ष के साथ सक्रिय रूप से जुड़सके और उप-उत्पाद के रूप में, अपनी रोजगार क्षमता में और सुधार कर सके जो छात्र पहले दो सेमेस्टर के बाद बाहर निकलना चाहते हैं उन्हे यूजी सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए ग्रीष्मकालीन ज्ञानित के दौरान 4-क्रेटिट कार्य-ज्ञानित विज्ञा/इटर्नशिप से गुजरना होगा।

## 14. सामुदायिक सहायता और सेवा :

सामुदायिक सहायता और सेवा का पाठ्यक्रम घटक छात्रों को समाज में सामाजिक-आर्थिक मुद्दों से अवगत कराना चाहता है ताकि सेवात्मिक विज्ञान को वास्तविक जीवन के अनुभवों द्वारा पूरक बनाया जा सके और वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान

निकाला जा सके। यह मुख्य अनुशासन के आधार पर ग्रीष्मकालीन अवधि गतिविधि या प्रमुख या लघु पाठ्यक्रम का हिस्सा हो सकता है।

### 16. केंद्र-आधारित शिक्षण/लघु परियोजनाएँ

केंद्र-आधारित शिक्षण/लघु परियोजना छात्रों को विभिन्न सामाजिक-आर्थिक सदर्भी को समझने के अवसर प्रदान करने का प्रयास करेगी। इसका उद्देश्य छात्रों को शामिल और शहरी परिवेश में विकास सक्षी भूमि से अवगत कराना होगा। यह छात्रों को शामिल और शहरी सशर्तों में विधियों का विशेषज्ञ करने और सामाजिक-आर्थिक विकास से संबंधित भूमि के सब्द में वास्तविक केंद्र विधियों का विशेषज्ञ और अध्ययन करने के अवसर प्रदान करेगा। छात्रों को विकास इकाई का भार्डार्ड बनाने करने वाली नीतियों विनियमों संगठनात्मक सशब्दालों प्रक्रियाओं और कार्यक्रमों की प्रत्यक्ष समझ हासिल करने के अवसर दिए जाएंगे। उन्हें समृद्धाय में जटिल सामाजिक-आर्थिक समस्याओं और पहचानी गई समस्याओं के समाधान उत्पन्न करने के लिए आवश्यक नवीन ज्ञानों की समझ हासिल करने का अवसर मिलेगा। अध्ययन के विषय के आधार पर यह एक ग्रीष्मकालीन अवधि की परियोजना या किसी बड़े या लघु पाठ्यक्रम का हिस्सा हो सकता है।

### 16. शोध परियोजना/शोध प्रबंध

4 वर्षीय रनातक टिटी (शोध के साथ और रॉर्स) चुनने वाले छात्रों को संकाय राज्य के भार्डार्ड में शोध परियोजनाएँ शुरू करनी होती है। छात्रों से आठवें सेमेस्टर में शोध परियोजना पूरी करने की अपेक्षा फर्जी जाती है। उनको प्रांगणक युक्त के शोध परिणाम राहकर्ता उपक्रियाएँ में प्रकाशित हो सकते हैं या सम्बलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत किए जा सकते हैं या पेटेट कराए जा सकते हैं।

### प्रासादीक अनुबंध/दस्तावेज़ के लिए क्लोडिट असाइनमेंट

अनुबंध तह प्रवीणता स्तर	प्रासादीक अनुभवात्मक शिक्षण का विवरण जिसमें प्रासादीक अनुबंध और अधिकारित व्यावसायिक स्तर और प्रवीणता स्तर प्राप्त करना शामिल है	येटेज / गुणन कारक	अनुबंध के बारे की संख्या (केवल साकेतिक)
प्रशिक्षित, योग्यता प्राप्त	कोई व्यक्ति जिसने पाठ्यक्रमपरिवर्तन पूरा कर लिया है और उसे किसी विशेष कार्य या नियिकि के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान सिखाया गया है	1	1 वर्ष से कम या बहुवर्ष
प्रवीण	प्रवीण प्रदीप या अर्थ होणा किसी फिल्म या वीडियो में उल्लिखित का स्तर होना	1.33	1 से अधिक 4 से कम या बहुवर्ष
विशेषज्ञ	विशेषज्ञ विशेषज्ञ का उर्थ है किसी व्यापार या योगी में उच्च स्तर का ज्ञान वीर अनुबंध होना	1.67	4 से अधिक 7 से कम या बहुवर्ष
मास्टरशिप ज्ञान होना है	मास्टर यह व्यक्ति होना है जिसके पास किसी विषय/दोस्त का असाधारण कौशल या ज्ञान होता है	2	7 से अधिक

### 17. अन्य गतिविधियाँ

इस घटक ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनसीसी), राष्ट्रीय फैटेट कोर (एनसीसी), यवस्क शिक्षा/साक्षरता पहल, स्कूली छात्रों को सलाह देने और अन्य समाज गतिविधियों से सहभित्र गतिविधियों वे भागीदारी शामिल होंगी।

### 18. व्यापक औपचारिक ऑनलाइन कोर्स (मूल)

मूक शिक्षार्थियों को दैक्षिण्य मोड (ऑफलाइन, ऑफलाइन ऑनलाइन लर्निंग और हाइब्रिड मोड) में सिविक करने के लिए लघीलापन प्रदान करते हैं। यूजीसी से प्राप्त दिशा-निर्देशों/सिफारिशों के अनुसार विश्वविद्यालय SWAYAM/NPTEL या किसी अन्य ऑनलाइन यूजीसी अनुमोदित प्लॉटफॉर्म के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रम के एक सेमेस्टर में पेश किए जा रहे कुल पाठ्यक्रमों/क्रेडिट इकाइयों के 40 प्रतिशत (40%) तक की अनुमति देता है।

विश्वविद्यालय MOOC-अधिकारित पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए अपने दिशा-निर्देश विकसित करता है दिशा-निर्देश पाठ्यक्रम में MOOC के सुव्यवस्था एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम चयन, क्रेडिट हस्तालन और अन्य प्रारंभिक पहलुओं की प्रक्रिया को ऐकाइकरण करते हैं।

### 19. स्नातक पाठ्यक्रम के लिए संरचना : सेमेस्टर प्रभासी

एनडीपी और यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार तीन वर्षीय बीचलर प्रोग्राम्सार वर्षीय बीचलर डिप्लोमाइनरी विद्यर्थी के दीर्घन छात्रों को आधारित न्यूनतम क्रेडिट इकाइयों की पूरा हाने के बाद प्रमाण प्राप्तिप्रदानाधिकारी अंतिम करने के साथ कार्यक्रम में कर्तृ बार बाहर निकलने और प्रवेश करने का अवसर प्रिलिक है। जीसा कि तालिका 1 में बताया गया है।

\*40 क्रेडिट (सत्र 4-5 जिन्हे यूजी प्रमाण-पत्र दिया जाएगा) या 80 क्रेडिट (सत्र 5 जिन्हे यूजी डिप्लोमा दिया जाएगा) हस्तित करने से बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को प्राप्तिकालीन अवधि या औद्योगिक इटनेशिप/प्रैशिप्रुता के दीर्घन पहले किए जाने वाले कार्य, ट्रॉयन आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 4 अलिम्स क्रेडिट हस्तित करने की भी आधारिकता होती है। 4 वर्षीय स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम की एक प्रभावी विकल्प भाना जाता है जोकि यह छात्र की प्रशंस के अनुसार दुने गए प्रमुख और शीर्ष विषयों पर ध्यान देने के अलावा साथ और व्युत्पत्तिक विषयों की पूरी भूमिका का अनुभव करने का अवसर प्रदान करता। (तालिका - II A&B)

### तालिका II A: प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत डिप्लोमा प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम की श्रेणी	न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता	
		3 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम	4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
1	प्रमुख (कार्य) पाठ्यक्रम	60 (50%)	80 (50%)
2	लघु (पैकेटिप्क) पाठ्यक्रम	24	32
3	व्युत्पत्तिक-आनन्द-प्रियमकाल्पनि पाठ्यक्रम	09	09
4	रद्दरी (क्षमता संर्कीन पाठ्यक्रम)	08	08
5	रसर्ट्सी (क्षेत्राल संर्कीन पाठ्यक्रम)	09	09
6	आरतीय ड्रान प्रगती (आईफोएस) सहित वीएसी (मूल वर्तित कार्यक्रम)	06-08	06-08
7	समर इटनेशिप	02-04	02-04
8	शोध प्रक्रम(शोध परियोजना)		12
	कुल क्रेडिट	120	160

नोट:- शोध न करने वाले ऑनसी छात्र को शोध परियोजनाव्यव्योध प्रबंध के बदले में 12 क्रेडिट के तीन पाठ्यक्रम करने होंगे।

## तालिका II B: - स्नातक पाठ्यक्रम के लेडिट का सेमेस्टर-वार और व्यापक पाठ्यक्रम श्रेणी-वार वितरण

सेमेस्टर	अनुशासन विविध पाठ्यक्रम (कोड)	माइनर	असर-अनुशासनात्मक	कमता सर्वानन्द पाठ्यक्रम (भाषा)	कौशल सर्वानन्द पाठ्यक्रम / इंटर्नशिप / सेवा प्रक्रम	सामान्य मूल्य सर्वानन्द पाठ्यक्रम	कुल लेडिट
I	(100 स्तर)	(100 स्तर)	(1 पाठ्यक्रम)	(+ पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 या 2 पाठ्यक्रम)	20
II	(100 स्तर)	(100 स्तर)	(1 पाठ्यक्रम)	(+ पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 या 2 पाठ्यक्रम)	20
	40 लेडिट प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को संवित अनुशासन / विषय में यूजी प्रवाण-पत्र प्रकाशन किया जाएगा। बशर्ते कि वे पहले और दूसरे सेमेस्टर के दौरान अंजिंल कौशल आवारित पाठ्यक्रमों से 6 लेडिट के असाक गीष्कोकालीन सत्र या इंटर्नशिप / प्रैक्टिस / कौशल सर्वानन्द पाठ्यक्रम के दौरान पेश किए गए कार्य आवारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 4 लेडिट प्राप्त करें।		40				
III	(200 स्तर)	(200 और ऊपर)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	-	20
IV	(200 स्तर)	(200 और ऊपर)	-	(1 पाठ्यक्रम)	-	-	20
	80 लेडिट प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को संवित अनुशासन / विषय में यूजी ट्रिफोमा प्रदान किया जाएगा। बशर्ते कि वे पहले तर्वे या दूसरे तर्वे भी गीष्कोकालीन अवधि के दौरान पेश किए जाने वाले कौशल आवारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अंजिंल 4 लेडिट प्राप्त करें।		80				
V	(300 स्तर)	(200 और ऊपर)	-	-	(इंटर्नशिप)	-	20
VI	(300 स्तर)	(200 और ऊपर)	-	-	-	-	20
	जो छात्र 3-यवर्षीय यूजी पाठ्यक्रम करना चाहते हैं उन्हें 120 लेडिट हार्सिल करने पर संबंधित अनुशासनधियवय में यूजी डिप्टी प्रदान की जाएगी।		120				
VII	(400 स्तर)	(300 और ऊपर)	-	-	-	-	20
VII	(400 स्तर)	(300 और ऊपर)	-	-	(अनुशासन परियोजना/ शोधप्रक्रम)	-	20
	छात्रों को संवित अनुशासन / विषय में यूजी डिप्टी (अंनर्स) प्रदान की जाएगी। बशर्ते कि उन्होंने 100 लेडिट प्राप्त किए हों।		160				

टिप्पणी:

- प्रत्येक सेमेस्टर में केवल लेडिट की न्यूनतम कुल संख्या ऊपर दर्शाई गई है। न्यूनतम लेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उच्च शिक्षा संस्थान प्रत्येक पाठ्यक्रम (जैसे मेजर माइनर बल्टीडिप्टीसिस्टिनरी, आदि) के लिए लेडिट की संख्या तय कर सकते हैं यदि आवश्यक हो तो उच्च शिक्षा संस्थान अंतिरिक्ष 10 लेडिट प्रदान कर सकते हैं।
- छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा प्रस्तावित अपनी परस्पर के पाठ्यक्रम का अंडेट करने की अनुमति दी जा सकती है। बशर्ते कि पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक जरूर पूरी कर सके हों।
- माइनर स्ट्रीम पाठ्यक्रम लीस्टी 300 या उससे ऊपर के स्तर के हो सकते हैं और माइनर से कुल लेडिट का 50% संबंधित विषय/अनुशासन में प्राप्त किया जाना चाहिए और माइनर से कुल लेडिट का 50% छात्र की परस्पर के अनुसार किसी भी विषय से अंजिंल किया जा सकता है।

IV. चात्रों को अतिविद्य वर्षी के तहत 12वीं छाता में पढ़े गए समान पाठ्यक्रमों को लेने की अनुमति नहीं है।

V. दोजूदा यूजीसी नियमों के अनुसार विद्यकितालय द्वारा अनुमोदित आनंदाश्रु पाठ्यक्रमों के माध्यम से किसी भी वर्षी में 40% कोटि अर्जित किए जा सकते हैं।

VI. आठवीं-सेमेस्टर का मुख्य विषय चात्रों की प्रस्तुतियों और चर्चाओं के साथ संभिलाइ-आवारित हो सकता है।

VII. चात्रों को एनएसएस/एनसीसी वर्षी गणेशियों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

### स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरक्षना

2 वर्षीय वर्षी के लिए: 3 वर्षीय यूजी कार्यक्रम के बाद 2 वर्षीय वर्षी में प्रवेश करने वाले छात्र विषय में से कोई एक चुन सकते हैं

(i) तीसरे और दौस्थ संभिलर में कंवल पाठ्यक्रम कार्य या (ii) तीसरे संभिलर में पाठ्यक्रम कार्य और दौस्थ संभिलर में शोध या (iii) तीसरे और दौस्थ सेमेस्टर में छेद नहीं।

1 वर्षीय वर्षी: 4 वर्षीय यूजी कार्यक्रम के बाद 1 वर्षीय वर्षी में प्रवेश करने वाले छात्र (i) कंवल पाठ्यक्रम कार्य या (ii) शोध या (iii) पाठ्यक्रम और शोध करने का विकल्प चुन सकते हैं।

5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (यूजीवर्षी) वर्षी स्तर पर 3 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम का पाठ्यक्रम पटक कपर बहाए गए 2 वर्षीय वर्षी के समान होगा।

### कोटि वितरण

अ) 1 वर्षीय वर्षी के लिए

प्रत्यवर्षी घटक	4 वर्षीय यूजी (वैनर्स/वैनर्स विवरित) के लिए वर्षी पाठ्यक्रम (एक वर्षी) चुनाव कोटि			
	कोर्स लेवल	कोर्स वर्क	विवर वीमिल/प्रोजेक्ट/सेट	कुल कोटि कोटि
वैनर्स वर्क + विवर	500	20	20	40
वैनर्स वर्क	500	40	—	40
विवर	—	—	40	

ब) 2-वर्षीय वर्षी के लिए

प्रत्यवर्षी घटक	ये 2-वर्षीय वर्षी पाठ्यक्रम (तात्पर्य और व्यवसायिक)			
	कोर्स लेवल	कोर्स वर्क	विवर वीमिल/प्रोजेक्ट/सेट	कुल कोटि कोटि
वर्षी फैलोशा	400	40	—	40
प्रथम वर्क (तात्पर्य और व्यवसायिक सेमेस्टर)	400 500	24 16	—	40
प्रथम वर्क के बाहर निकलने वाले वर्षी वर्षी को स्नातकोत्तर फैलोशा प्रदान किया जाएगा				
द्वितीय वर्क (तात्पर्य एवं अनुशासन कुर्स सेमेस्टर)	पाठ्यक्रम और अनुशासन कुर्स सेमेस्टर	500	20	20
	कोर्स वर्क (वर्क)	500	40	40
	शोध	--	—	40

### निकास बिंदु:

जो लोग 2 वर्षीय पीजी कार्यक्रम में शामिल होते हैं उनके लिए केवल एक निकास बिंदु होता है जो छात्र 1 वर्ष के अंत में बाहर निकलते हैं। उन्हें स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा। पीजी कार्यक्रम में चुने गए विषय से संबंधित व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल होने चाहिए।

### पाठ्यक्रमों के स्तर:

पाठ्यक्रमों को सीखने के परिणामों के स्तर और शैक्षणिक कठोरता के आधार पर कोडिट किया जाएगा। कोडिट संरचना इस प्रकार है।

I 0-99 परिचयात्मक पाठ्यक्रम करने के लिए आवश्यक पूर्ण-अपेक्षित पाठ्यक्रम जो बिना किसी लेक्चर के पास या फेल कोर्स होगा। यह कुछ कॉलेजोंविश्वविद्यालयों में आयोजित किए जाने जाते हैं जिन पाठ्यक्रमों की पेशकश के बीजूदा जनीप्रारिक तरीके की जगह होता है।

II 100-199 आधारभूत या परिचयात्मक पाठ्यक्रम जो छात्रों को विद्यार्थी के बारे में समझ और बुनियादी ज्ञान हासिल करने और कृति के विषय या अनुशासन को तथ्य करने में मदद करने के लिए है। ये पाठ्यक्रम प्रायः विषय के पाठ्यक्रमों के लिए पूर्णप्रैक्षार्थी ही हो सकते हैं। ये पाठ्यक्रम ज्ञान तीर पर अधिक उच्च पाठ्यक्रमों को लेने के लिए एक व्यापक आधार प्रदान करने के लिए आलोचनात्मक सोच के आधारभूत सिद्धांतों अवधारणाओं दृष्टिकोणों सिद्धांतों विधियों और प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों को उच्चतम अक्षयन के लिए आवश्यक सामान्य विज्ञा से लैरा करने का प्रयास करते हुए कला, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञान में (अतः) अनुशासनात्मक केंद्रों की व्यापकता और व्यावसायिक या ऐकायक केंद्रों की ऐकायिक और समकामी वाच्यताओं और प्रवाजों से छात्रों को परिचित कराएंगे और उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम की नींव रखेंगे।

III 200-299 दिक्षय-प्रिंटिंग पाठ्यक्रमों सहित व्यावहारी स्तर के पाठ्यक्रम जो सीखने हें छात्रों द्वारा या प्रमुख केंद्रों द्वारा लिए जाने जाने वाले अवधारणात्मक कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए अप्रीप्रेत हैं। ये पाठ्यक्रम किसी प्रमुख विषय का हिस्सा हों सकते हैं और उच्चतम ररर के प्रमुख पाठ्यक्रमों के लिए पूर्ण-आवश्यक पाठ्यक्रम हो सकते हैं।

IV 300-399 उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम जो डिग्री के पुरस्कार के लिए अवधारण के अनुशासनात्मक/अतः-दिक्षयक केंद्र में प्रमुखता के लिए आवश्यक है।

V 400-499 उच्च पाठ्यक्रम जिसमें प्रैक्टिकल के साथ व्यावहारिक पाठ्यक्रम संविनाय आधारित पाठ्यक्रम, टर्म पेपर शोध प्रक्रिये उच्चतम प्रयोगशाला प्रयोग/सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण, शोध परियोजनाएं व्यावहारिक प्रशिक्षण, स्नातक स्तर पर इन्टर्नशिप/प्रशिक्षिता परियोजनाएं या प्रथम दर्वे स्नातकोत्तर वैद्युतिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रम शामिल होते हैं।

VI 500-599 2 वर्षीय मास्टर डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए प्रथम दर्वे के मास्टर डिप्लोमा स्तर पर पाठ्यक्रम

VII 600-699 2 वर्षीय मास्टर या 1 वर्षीय मास्टर डिप्लोमा कार्यक्रम के दूसरे दर्वे के लिए पाठ्यक्रम।

VIII 700-799 और अधिक, डॉक्टरेट छात्रों तक सीमित पाठ्यक्रम।

### 20. स्नातक कार्यक्रमों का नामकरण

स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम 3 या 4 दर्वे की अवधि के होगे जिसमें कई निकास/प्रदेश विकल्प (प्रभाज-पत्र/डिप्लोमा/टिप्पी) होंगे।

दिक्षयविद्यालय द्वारा प्रस्तुत यूजी कार्यक्रमों को यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार नए नामकरण के साथ संशोधित किया जाएगा।

स्नातक कार्यक्रमों के लिए लेक्चर आवश्यकताएं लालिका-। ये दी गई हैं।

### 21 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का नामकरण

दिक्षयविद्यालय द्वारा प्रस्तुत स्नातकोत्तर कार्यक्रम/स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का नामकरण यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार होगा।

### 22 स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए प्रदेश नाम

- i) छात्रों को दो वर्षीय कार्यक्रम में प्रदेश दिया जाएगा। जबकि दूसरा दर्वे पूरी तरह से शोध के लिए समर्पित होगा, जो तीन वर्षीय स्नातक कार्यक्रम पूरा कर चुके हैं।
- ii) चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम और संस्कृत दर्वे के साथ पूरा करने वाले छात्रों को एक वर्षीय मास्टर कार्यक्रम में प्रदेश दिया जा सकता है।

III कोई भी छात्र जपने यूजी कार्यक्रम में लिए गए प्रभुता या गीण विषय में पीजी कार्यक्रम में प्रदेश के लिए पात्र है।

IV यूजी कार्यक्रम में छात्र द्वारा लिए गए प्रभुता या गीण विषय के बायजूट छात्र पीजी कार्यक्रम के किसी भी विषय में प्रदेश के लिए पात्र है बशर्ते कि छात्र पीजी कार्यक्रम के विषय में राष्ट्रीय स्तर या विश्वविद्यालय स्तर की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करता हो।

V जिन अम्पर्यायों ने 4 वर्षीय यूजी कार्यक्रम या 3 वर्षीय यूजी और 2 वर्षीय पीजी कार्यक्रम या STHM विषयों में 5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (यूजी+पीजी) पूरा कर लिया है वे सबद्वारा में एवं इस टक में प्रदेश के लिए पात्र होते हैं।

VI. एक एकीकृत पांच वर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम हो सकता है।

#### प्रश्नाविधि 6 – स्तर 6.5 के लिए प्रवेश की आवश्यकता है

I एक वर्षीय / दो-सेमेस्टर मास्टर पाठ्यक्रम के लिए स्नातक डिप्लोमा (ऑनर्स/अनुस्थान)।

II दो-वर्षीय / चार-सेमेस्टर मास्टर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए स्नातक की डिप्लोमा

III एक वर्षीय / दो-सेमेस्टर स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए स्नातक की डिप्लोमा

IV मास्टर डिप्लोमा और पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए अध्ययन का एक पाठ्यक्रम उन सोनों के लिए बुला है जिन्होंने पाठ्यक्रम प्रवेश लियाया था विदेश स्तर की प्राप्ति सहित प्रदेश आयश्यकताओं को पूरा किया है। अध्ययन के एक पाठ्यक्रम में प्रवेश आयश्यक की जाति के विशेषज्ञ द्वारा में स्नातकोत्तर अध्ययन करने की क्षमता के बहावदी साथ (वैज्ञानिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्याकान पर आधारित है।

निकास 6— स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए दो-वर्षीय मास्टर पाठ्यक्रम में ज्ञानिल होने वालों के लिए केवल एक निकास दिल देगा अर्थात् मास्टर पाठ्यक्रम के पहले वर्ष के अंत में प्रथम वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा से रामानिल किया जाएगा।

#### 23. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए क्लोडिट आवश्यकताएँ

I एक वर्षीय / दो सेमेस्टर का मास्टर डिप्लोमा पाठ्यक्रम ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिप्लोमा पर आधारित है और ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिप्लोमा पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 40 क्लोडिट की आवश्यकता होती है।

II दो वर्षीय / चार सेमेस्टर का मास्टर डिप्लोमा पाठ्यक्रम स्नातक डिप्लोमा पर आधारित है और पाठ्यक्रम के दोनों वर्षों से कुल 80 क्लोडिट की आवश्यकता होती है जिसमें त्रिपल 7 पर पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में 40 क्लोडिट और दूसरे वर्ष में 40 क्लोडिट होते हैं।

III एक साल / दो सेमेस्टर का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम स्नातक की डिप्लोमा पर आधारित है और स्नातक की डिप्लोमा पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 40 क्लोडिट की आवश्यकता होती है।

- एक छात्र को केवल विषय सेमेस्टर में प्रदेश/पुनर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी और केवल सम सेमेस्टर के बाद ही बाहर निकल सकता है। वैज्ञानिक कार्यक्रमों में पार्श्व प्रदेशकारों के अप में विभिन्न स्तरों पर पुनर प्रवेश अनिवार्य क्लोडिट और तकलीफ परीक्षण रिकॉर्ड के आधार पर होना चाहिए।
- अंजित क्लोडिट की विद्या अधिकार्तप सात वर्षों की अवधि या एवीसी द्वारा लिटिट होती है। अंजित क्लोडिट को जमा करने की प्रक्रिया दूसरी हैल्फ लाइफ क्लोडिट का योग्य यूजीसी (राष्ट्र शिक्षा में अकादमिक डैक ऑफ क्लोडिट (एवीसी) योजना की स्थापना और सेलालन) लिनियम, 2021 के अनुसर होगा।

#### 24. तकनीकी कार्यक्रमों के लिए अवधि, प्रवेश स्तर की गोग्यताएँ और सांविधिक आलोचन के बानांदह

छात्रों को प्रत्येक निकास के बाद रोजगार योग्य बनाने के लिए सबधित नियामक निकाय / पिण्डविद्यालय / तकनीकी बोर्ड द्वारा कार्यक्रम के पहले वर्ष से ही पाठ्यक्रम में सबधित विषयों में कौशल घटक के साथ प्रगतिशील कौशल वृद्धि को ज्ञानिल किया जा सकता है। पहले वर्ष के अंत में निकास की अनुमति देते समय, सरकारी तकनीकी सचार और कम्प्यूटर प्रवीणता (डेटा प्रयोगित आदि), सिपिल / मैकेनिकल ड्राफ्टसीमेन्टिंग, पिण्डविद्यालय आदि पर अनियाय कौशल पाठ्यक्रम मौक्कों पर विद्यार्थी कर सकते हैं।

क्रमांक	वैधिक स्तर	प्रवेश स्तर पाठ्यक्रम	निकासी स्तर पाठ्यक्रम	NCf स्तर
1	10वीं कक्षा		10वीं मानक	3.0

2a	डिप्लोमा प्रधान वर्ष	10वीं कक्षा पास	अध्ययनी 10+1 वर्ष के डिप्लोमा को राज्य निकास करता है वोकेजन का प्रमाण यज्ञ (सी वोक),	3.5
3a	12वीं	11वीं कक्षा पास	12वीं	4.0
3b	डिप्लोमा द्वितीय वर्ष	10+1 वर्ष का डिप्लोमा (C Voc) या समकक्ष व्यवसायिक प्रशिक्षण (स्तर 3.5) या 12वीं कक्षा पास	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा	4.0
4a	डिप्लोमा तृतीय वर्ष	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा या समकक्ष व्यवसायिक प्रशिक्षण (स्तर 4,	डिप्लोमा द्वितीयिति	4.5
4b	स्नातक डिप्लोमा प्रधान वर्ष	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा या 12वीं कक्षा पास (स्तर 4)	स्नातक प्रमाणपत्र	4.5
5	स्नातक डिप्लोमा द्वितीय वर्ष	स्नातक शास्त्र में डिप्लोमा/स्नातक प्रमाणपत्र/समकक्ष व्यवसायिक या तकनीकी कायदक्रम (स्तर 4.5)	स्नातक डिप्लोमा (इंजीनियरिंग)	5.0
6	स्नातक डिप्लोमा तृतीय वर्ष	10+3+1, 12+2/ स्नातिन छोफेन में स्नातक/डिप्लोमा (इंजीनियरिंग) (स्तर 5)	B-Voc- B-Sc-	(इंजीनियरिंग), स्नातक डिप्लोमा
7	स्नातक डिप्लोमा अंतिम वर्ष	तोकशन में 3 वर्ष की वैश्वल टिप्पी B-Sc- (इंजीनियरिंग) / स्नातक डिप्पी (स्तर 6.5)	B-I- /B-Tech-	स्नातक डिप्पी (आंतरी)
8	स्नातकोत्तर टिप्पी प्रथम वर्ष	4 वर्ष की वैश्वल टिप्पी (स्तर 6.00)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा/ M-Voc	6.6
9	स्नातकोत्तर टिप्पी आंतर वर्ष	1 वर्ष की स्नातकोत्तर टिप्पी/स्नातकोत्तर डिप्लोमा/M-Voc (स्तर 6.5,	M-Tech- / स्नातकोत्तर टिप्पी (इंजीनियरिंग)/स्नातकोत्तर टिप्पी	7.0
10	वीएच टी/केता प्रोग्राम	B-Tech- में 75% अंक या सामान्य CGPA PC,	-	8.0

## 25 इंजीनियरिंग के 1<sup>UG</sup> और PG पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय ड्रेफिट फ़ेस्लर्ड (NCRF)

बीटेक पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष के शास्त्र बाहर निकलने वाले छात्रों को जाईटी/हार्टलेयर नेटवर्किंग/बेटलेट या शाश्वा टिशेब कौशल पॉल्यूल पर कौशल पॉल्यूल का पालन करना होगा बीटेक के तीसरे और चौथे वर्ष का पाठ्यक्रम पहले से ही इंजीनियरिंग डिशिष्ट है तीन वर्षों के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों का यूजी टिप्पी/बी. टीक/बी.एससी (इंजीनियरिंग) प्रदान की जा सकती है।

पहले वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले डिप्लोमा छात्रों को व्यावसायिक प्रमाणपत्र (सी वोक) और दूसरे वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को आंतरीक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र (आईटीरी) / व्यावसायिक डिप्लोमा प्रदान किया जा सकता है।

प्रन्थक प्रतेश स्तर पर विश्वविद्यालय ईंडियन अंतर/कौशल अंतर की पहचान करेगा और उपयुक्त ग्रिज कोर्स की पेशकश की जा सकती है।

दिशेबीकरण एंड सीटीएंड द्वारा समय-समय पर प्रकाशित अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका के अनुसार होगा।

## 26. उपरिषिति

उपरिषिति की आवश्यकता परीक्षाओं को नियंत्रित करने वाले विश्वविद्यालय अध्यादेश के अनुसार होगी। सामान्य तीर पर, अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में उपरिषित होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में कम से कम पद्धतिरार प्रतिष्ठित वीक्षक होगी।

लंबी बीमारी जैसे विशेष शरानी से प्रत्येक पाठ्यक्रम में उपरिषिति के प्रतिष्ठित में उपरिषिति की उपरिषिति को कम से कम लंबाई द्वीन के अनुमोदन से भाँप किया जा सकता है।

## 27. परीक्षा एवं मूल्यांकन

मूल्यांकन विशेष मूल्यांकन पर आधारित होगा। जिसमें सेवानस्त कार्य और टर्मिनस्त परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देगी। सत्रीय कार्य में कक्षा परीक्षण, मध्य-सेमेस्टर परीक्षा होमेटर्स असाइनमेंट आदि जानिल होगे। जैसा कि अध्ययन के पाठ्यक्रमों के प्रमाणी सकाय द्वारा निर्धारित किया जाएगा। सीखने के परिणामों की उपलब्धि की दिशा में प्रगति का मूल्यांकन विनाशियात का उपयोग करके किया जाएगा। समय-वाचित परीक्षाएं बद किताब और चुली किताब परीक्षण समस्या-प्राधारित कार्यय व्यावहारिक असाइनमेंट प्रयोगशाला रिपोर्ट व्यावहारिक कौशल का अपलोकनय

व्यक्तिगत परियोजना रिपोर्ट (केस-स्टडी रिपोर्ट) या टीम परियोजना रिपोर्ट या समाचारी प्रस्तुति सहित भौतिक प्रस्तुतियों या भौतिक साक्षात्कार्य कार्यपूर्तीकृत अनुकूली भूत्याकन, जांग पर परीक्षा, बॉन्डबूलर प्रणाली, आदि।

प्रत्येक पाठ्यक्रम एक परीक्षा पेपर को अनुकूल होगा जिसमें बाहरी और आंतरिक भूत्याकन शामिल होंगे बेजर बाह्यनर ओपन/जेमेरिक और टीएससी (अनुसारान विशेष पाठ्यक्रम) व्यावसायिक भूत्य वर्तित एस्टर्सी (कौशल सर्वान पाठ्यक्रम) और ईंटर्सी (भ्रमता सर्वान पाठ्यक्रम) को लिए सेमेस्टर अंत सिद्धांत परीक्षाएं अनुमोदित परीक्षा नियमों के माध्यम से प्रस्तुतियां आयंत्रिकी की होंगी, घोर्सी/प्रैक्टिकल/ट्रेनिंग/रियल आंतरिक बाहरी परीक्षाओं के लिए ब्रॉडिट सरचना और एक परीक्षा के लिए कुल अक यूजीरी मानदंडों के अनुसार प्रश्नविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम सरचना के अनुसार होंगे। छात्रों को विद्यविद्यालय के परीक्षा नियमों के अनुसार सम्भवित पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण घोषित होने के लिए कुल शिलाकार आंतरिक और बाहरी परीक्षाओं में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्राप्त करना होगा।

**26.1** भूत्याकन के माध्यम से प्रत्येक सेमेस्टर के लिए निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रमों के संबंध में उत्तीर्णदावर के ईक्षणिक प्रदर्शन का भूत्याकन किया जाएगा कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का भूत्याकन नियन पर आधारित होगा।

**26.1.1** अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएं – कुल अंकों का 70% अंक और

**26.1.2** सतत आंतरिक भूत्याकन – कुल अंकों का 30%

**26.2** अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं विद्यविद्यालय द्वारा अधिसूचित ईक्षणिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जाएंगी और अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा की अवधि तीन या दो घंटे होगी।

**26.3** प्रत्येक सेमेस्टर में कार्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए अकों का न्यूनतम प्रतिशत अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं और निरन्तर भूत्याकन सहित

प्रत्येक पाठ्यक्रम में 40% होगा।

**26.4** एक कार्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर में एक निर्दिष्ट संख्या में ब्रॉडिट होगे। छात्र द्वारा सतोषजनक तंग से उत्तीर्ण किए गए ग्रेड अंकों को

साथ ब्रॉडिट की संख्या छात्र के प्रदर्शन की वरपेशी।

**26.5** सेमेस्टर परीक्षा परिणामों में विन्यासित श्रेणिया होगी।

**26.5.1** उत्तीर्ण अर्थात् जो सेमेस्टर परीक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में आंतरिक और बाहरी परीक्षा में अलग-अलग उत्तीर्ण हुए हैं।

**26.5.2** पदोन्नत (एटीकंटी) यानी जिन्होंने किसी विशेष वर्ष में दोनों सेमेस्टर (सम और विषम) सहित न्यूनतम 50% ब्रॉडिट अर्जित किए हैं

या जिन्होंने विक्रम सेमेस्टर में किसी भी संख्या में ब्रॉडिट अर्जित किया है।

**26.5.3** डिटेंड अर्थात् जिन्हे उपरोक्त प्राक्षानों के अनुसार पदोन्नत नहीं किया गया है उन्हे डिटेंड में लिया जाएगा। ऐसे छात्रों को इस अध्यादेश के प्राक्षानों के अनुसार आदर्शक ब्रॉडिट (पहले से अर्जित ब्रॉडिट को छोड़कर) अर्जित करने के लिए अगले ईक्षणिक सत्र की परीक्षा में उपरिधित होना होगा और उसके बाद ही यह इस अध्यादेश के प्राक्षानों के अनुसार निर्धारित अवधि के भीतर कार्यक्रम जारी रख सकते हैं।

**26.6** हालांकि किसी भी सेमेस्टर का कोई छात्र जिसे कम उपरिधित के कारण रोका गया है/परीक्षा में उपरिधित नहीं हुआ है / परीक्षा

को लिए आवेदन नहीं किया है / आवेदन किया है लेकिन उपरिधित नहीं हुआ है उसे कार्यक्रम से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे छात्र को विद्यविद्यालय द्वारा अपनाई/अधिसूचित प्रक्रिया के माध्यम से पूर्व छात्र के रूप में अगले सत्र में प्रवेश लेना होगा।

**27. सतत आंतरिक भूत्याकन**

**27.1** सतत आंतरिक भूत्याकन पाठ्यक्रम के लिए आविष्ट कुल अंकों का 30% होगा।

**27.2** प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सतत आंतरिक भूत्याकन के घटकों का नियंत्रण सम्भवित विषय के अन्तर्गत बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

27.3 एटीकंटी छात्रों के मामले में सहत आंतरिक मूल्यांकन को आगे बढ़ाया जाएगा, किसी भी परिस्थिति में एटीकंटी छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं होगा।

#### 28 MOOCs और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन और प्रमाणन:

MOOCs, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों फैल्ड प्रोजेक्ट्स/इन्फ्राप्रॉजेक्ट/अप्रैटिस्कॉप/सामुदायिक जुहाव और सेवा/शोध परियोजना का मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए विश्वविद्यालय SWAYAM portal/UGC के दिलानिर्देशों का पालन किया जाएगा।

#### 29. लेटर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट

सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट और संकेत (SGPA) की गणना किसी लिए गए सेमेस्टर में छात्र के प्रदर्शन के माम पर लग में ग्रेड से ही जाती है। SGPA परीक्षा अवधि के देख पर आधारित है जबकि संकेत CGPA (CGPA) अध्ययन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद लिए गए सभी पाठ्यक्रमों में देख पर आधारित है।

उच्च शिक्षा संस्थान छात्रों के लाभ के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्राप्त अक्षर और इन सभी मार्कस में प्राप्त अंकों के आधार पर भारित और संकेत का भी उत्तरेक दर लगाते हैं।

#### तालिका-3 : ग्रेडिंग प्रणाली

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	अौति उत्कृष्ट	>90 to <=100
A+	9	उत्कृष्ट	>80 to <=90
A	8	बहुत अच्छा	>70 to <=80
B+	7	अच्छा	>60 to <=70
B	6	और से ऊपर	>50 to <=60
C	5	और से	>40 to <=50
P	4	उत्तीर्ण	=40
F	0	अवृत्त	<40
Ab	0	अनुपरिक्षा	Absent

#### SGPA और CGPA की गणना

यूजीपी सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट और संकेत ग्रेड पॉइंट और संकेत (रीजीपीए) की गणना करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया की सिफारिश करता है।

1. एसजीपीए एक छात्र द्वारा लिए गए सभी पाठ्यक्रमों में छात्र द्वारा प्राप्त ग्रेड पॉइंट की संख्या ग्रेडिंट की संख्या के गुणनफल का दोग और एक छात्र द्वारा किए गए पाठ्यक्रमों के ग्रेडिंट की संख्या का योग है, अर्थात्

$$SGPA(SI)=\sum(Ci\times Gi)/\sum Ci$$

जहाँ Ci's पाठ्यक्रम के ग्रेडिंट की संख्या है और Gi's पाठ्यक्रम में छात्र द्वारा प्राप्त ग्रेड पॉइंट है।

#### SGPA की गणना के लिए उदाहरण

Semester	Course	Credit	Letter Grade	Grade point	(Credit x Grade)
1	Course 1	3	A	8	3 x 8 = 24
1	Course 1	4	B+	7	4 x 7 = 28
1	Course 1	3	B	6	3 x 6 = 18
1	Course 1	3	O	10	3 x 10 = 30

1	Course1	3	C	5	3 x5=15
1	Course1	4	B	6	4 x6=24
		20			139
SGPA					139/20=6.95

ii. संख्यी ग्रेड प्याइंट औसत (सीजीपीए) की गणना भी उसी तरीके से की जाती है, जिसमें छात्र द्वारा किसी कार्यक्रम के सभी सेमेस्टरों में किए गए सभी पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखा जाता है, जर्दार्त

$$CGPA = \sum(Ci \times Si) / \sum Ci$$

जहाँ S<sub>i</sub> आठवें सेमेस्टर का CGPA है और Ci उस सेमेस्टर में कॉर्स की कुल रामण्य है।

CGPA की गणना के लिए उदाहरण

Semester1	Semester2	Semester3	Semester4
Credit 20	Credit 20	Credit 20	Credit 20
SGPA 6.9	SGPA 7.8	SGPA 5.6	SGPA 6.0
$CGPA = (20 \times 6.9 + 20 \times 7.8 + 20 \times 5.6 + 20 \times 6.0) / 80 = 6.6$			

एसजीपीए और सीजीपीए को 2 दशमलव बिन्दु तक पूर्णकित किया जाएगा और द्वासालिट ने रिपोर्ट किया जाएगा।

स्नातक प्रमाणपत्र/हिस्तोरा/डिप्लोमा/डिप्लोमा प्रदान करने के लिए सभी आयोजित कार्यक्रमों को पूरा करने पर सीजीपीए की गणना की जाएगी और यह मान प्रमाणपत्र/डिप्लोमाक्रिया पर वर्णाया जाएगा 3-वर्षीय (6 सेमेस्टर) और 4-वर्षीय (8 सेमेस्टर) स्नातक डिप्लोमा में तालिका 4 के मनुस्कार प्राप्त डिप्लोजन को भी वर्णाया जाना चाहिए।

#### तालिका-4: प्रधानों का विवरण

प्रधान	प्रधानदंड
दिशिकृता के गांधी प्रधान भ्रेणी	उम्मीदवार में 750 या उससे अधिक सीजीपीए के साथ डिप्लोमा प्रदान करने के लिए व्यूनाम लॉटिट अर्जित किए हैं।
प्रधान भ्रेणी	उम्मीदवार ने 600 से अधिक लेकिन 750 में सम सीजीपीए के गांधी डिप्लोमा प्रदान करने के लिए आवश्यक व्यूनाम लॉटिट अर्जित किए हैं।
द्वितीय भ्रेणी	उम्मीदवार ने 450 या उससे अधिक लेकिन 600 से कम सीजीपीए के साथ डिप्लोमा प्रदान करने के लिए आवश्यक व्यूनाम लॉटिट अर्जित किए हैं।
उसीर्ण	उम्मीदवार ने 400 या उससे अधिक लेकिन 450 से कम सीजीपीए के साथ डिप्लोमा प्रदान करने के लिए आवश्यक व्यूनाम लॉटिट अर्जित किए हैं।

अन्य शैक्षणिक मामलों में दूसरों अनुप्रयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए सीजीपीए को प्रतिशत में परिवर्तित किया जाएगा।

समतुल्य प्रतिशत सीजीपीए x 10 प्रतिशत को दूसरे दशमलव बिन्दु तक पूर्णकित किया जाएगा।

उम्मीदवार को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा, डिप्लोमा तब प्रदान की जाएगी जब कह प्रमाणपत्र/डिप्लोमा, डिप्लोमा के लिए आवश्यक व्यूनाम लॉटिट सफलतापूर्वक अर्जित कर लेगा।

#### 30. पदोन्नति नियम

30.1 किसी छात्र को पदोन्नति किया जाएगा और वह किसी भी संख्या में बैक पेपर के आवजूद प्रधान सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के तुरंत बाद द्वितीय सेमेस्टर में प्रदेश ते सकता है।

30.2 कोई छात्र द्वितीय सेमेस्टर की अतिम परीक्षा के तुरंत बाद अनतिम रूप से तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है और उसका प्रवेश निश्चित हो जाएगा और उसे तृतीय सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा। बहारी उसने प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर दोनों को मिलाकर न्यूनतम 50% लोडिंग अर्जित किए हैं।

30.3 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह तीसरे सेमेस्टर के तुरंत बाद तीसरे सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है भर्ते ही तीसरे सेमेस्टर में कितने भी बैक पेपर हों।

30.4 कोई छात्र चौथे सेमेस्टर की परीक्षा के तुरंत बाद पाचवे सेमेस्टर में अनतिम रूप से प्रवेश ले सकता है और उसका प्रवेश निश्चित किया जाएगा और उसे पाचवे सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा। बहारी उसने तीसरे और चौथे सेमेस्टर दोनों को मिलाकर न्यूनतम 50% लोडिंग अर्जित किए हैं। इसके अलावा छात्र को पहले और दूसरे सेमेस्टर के रास्ते पास करने होंगे।

30.5 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह पाचवे सेमेस्टर के तुरंत बाद छठे सेमेस्टर में कितने भी बैक पेपर के साथ प्रवेश ले सकता है।

30.6 विषय सेमेस्टर के बैक पेपर की परीक्षाएं विषय रोमेस्टर की अतिम परीक्षाओं के साथ आयोजित ही जाएंगी। इसी तरह रण रोमेस्टर के बैक पेपर की परीक्षाएं सभी सेमेस्टर की अतिम परीक्षाओं के साथ आयोजित ही जाएंगी।

30.7 इसके अलावा, चौथे रोमेस्टर तक रास्ते पास करने काले छात्रों के लिए 6वे रोमेस्टर के साथ हवे सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित ही जाएंगी।

30.8 अतिम सेमेस्टर को परिणाम रही घोषणा के बाद 6वे सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित ही जाएंगी। ऐसले 6वे सेमेस्टर में बैक पेपर पासे छात्र इस विशेष परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

30.9 कोई छात्र हवे सेमेस्टर तक के सभी सेमेस्टर पास करने के बाद ही उसे सेमेस्टर (यूजी का चीथा वर्ष) में प्रवेश ले सकता है।

30.10 कोई छात्र प्रदोन्नति पाएगा और हवे रोमेस्टर की परीक्षा के तुरंत बाद अनतिम रूप से 8वे रोमेस्टर (यूजी का चीथा वर्ष) में प्रवेश ले सकता है। वह ही 8वे सेमेस्टर में बैक पेपर की तरफ़ा कितनी भी हो। इसके अलावा 8वे सेमेस्टर के बैक पेपर पास करने के लिए हवे सेमेस्टर के साथ हवे सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित ही जाएंगी।

30.11 अतिम सेमेस्टर के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद हवे सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित ही जाएंगी। सेमेस्टर के परिणामों के आधार पर परीक्षा आयोजित ही जाएंगी। हवे सेमेस्टर में बैक पेपर पासे कोई भी छात्र इस विशेष परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होंगे।

30.12 कोई भी छात्र चौथे वर्ष के प्रारंभ होने से पहले निर्धारित तरीके से उसी के लिए आवेदन करके चौथे वर्ष में अनुसं लोस चुन सकता है। प्रमुख विषय में चार वर्षीय यूजी छान्सर्स की हिस्ती उन लोगों की प्रदान की जाएंगी जिन्होंने तालिका 5 के अनुसार 160 लोडिंग के बराबर या उससे अधिक के साथ चार वर्षीय हिस्ती कार्यक्रम पूरा किया है।

30.13 इसके अलावा, जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 76% या उससे अधिक अंक या समकक्ष 7.5 सीजीपीए प्राप्त करते हैं और स्नातक सत्र पर शोध करना चाहते हैं वे चौथे वर्ष में एक शोध स्टूडी चुन सकते हैं। उन्हें विभाग के किसी विकाय सदस्य के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना चाहिए। शोध परियोजना / शोध प्रबंध प्रमुख विषय में होगा। उनके प्रोतोकॉल रार्ट के शोध परिणाम सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकते हैं या सम्मेलनों / सेमिनारों में प्रस्तुत किए जा सकते हैं या पेटेंट कराए जा सकते हैं।

30.14 यदि किसी छात्र को रोक दिया जाता है या उन्हें सेमेस्टर में पदोन्नत नहीं किया जाता है तो उसे तब तक रोका जाएगा जब तक कि उसके बैकलीन पेपर पूरे नहीं हो जाते जिसके लिए वह जगती उविता परीक्षा में वापस हो सकता है। बहारी कि यह कार्यक्रम के लिए अनुमत अधिकातम अधिक की भीतर किया गया हो। ऐसे छात्रों के सतत आंतरिक भूत्यांकन के अंक उस संवित पाठ्यक्रम के लिए आगे बढ़ाए जाएंगे जिसमें वह उपस्थित हो रहा है।

30.15 50% लोडिंग की गणना के लिए रिस्ट्रान्ट और व्यावहारिक दोनों पाठ्यक्रमों पर विचार किया जाएगा और 0.5 को राउंड अप किया जाएगा।

### 31. ट्रांसक्रिप्ट जारी करना

लेटर ग्रेड, ग्रेड पॉइंट और एसजीपीए और सीजीपीए पर दिशानिर्देशों के आधार पर विश्वविद्यालय प्रत्येक सेमेस्टर के लिए ट्रांसक्रिप्ट और सभी सेमेस्टर में प्रदर्शन को दर्शाने काली एक समेकित ट्रांसक्रिप्ट जारी करेगा।

### 32. क्लिंट ट्रांसफर

32.1 क्लिंट ट्रांसफर समय—समय पर यूजीसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बनाई गई विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार लागू किया जाएगा।

32.2 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च निकाय में अकादमिक बैंक और क्लिंट की स्थापना और संवादान) विनियम 2021 के तहत स्थापित अकादमिक बैंक और क्लिंट के राजस्व संस्थान समय—समय पर राजाधित द्वारा विनियमन के प्राक्षणों के अनुसार क्लिंट स्थीकार और हस्तान्तरित करेगा।

32.3 अंतिम पदोन्नति के बाखलों को छाटकर विश्वविद्यालय अपने बीच द्वारा की क्लिंट हस्तान्तरण की सुविधा प्रदान करेगा हालांकि इत्र जो उस विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम के लिए समानता रखते हुए कुछ पाठ्याभ्यास मानदंडों को पूरा करने की आवश्यकता हो सकती है जिसमें छात्र प्रोडेश शाहता है।

33. यदि इस अध्यादेश के प्राक्षणों की व्याख्या के सबै में कोई भ्रान्ति उठता है तो इसे बदल और दिशानिर्देशों के लिए प्रकरण बोर्ड को भेजा जाएगा।

34. इस पाठ्यक्रम से संबंधित कैफानिक निकायों और सूचीसी/एआईसीटीई/पीसीआई/डीसीआई/आरसीआई/सीएओ/किसी अन्य प्रासारिक नियामक निकाय द्वारा समय—समय पर जारी किए गए दिशा—निर्देशों को कार्यान्वयन के लिए अपनाया जाएगा।

35. इस अध्यादेश के अतार्त नहीं आने वाले यामलों में विश्वविद्यालय के सामान्य नियम और विनियम लागू होंगा।

36. यदि यूजीसी अधिकार में इस सबै में अपने विनियमों में कोई बदलाव अधिसूचित करता है तो उसे विश्वविद्यालय की अकादमिक परिवह और प्रकरण बोर्ड की मंजूरी के साथ नीजूना अध्यादेश में शामिल किया जाएगा।

37. उपरोक्त के बावजूद विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि टिरी/टिप्पोमा/सहीफिकेट के लिए अत्ययन पाठ्यक्रम यूजीरी या संबंधित विद्यानिक निकाय के प्रासारिक नियमों और मानदंडों द्वारा निर्धारित मानक के अनुसर होंगा।

### 38. सामान्य

38.1 एक छार विद्यार्थी द्वारा उत्तीर्ण हो जाने के बाद कार्यक्रम को दोहराने या उसमें सुधार करने का कोई प्राक्षान नहीं होगा।

38.2 पुनर्मूल्यांकन का कोई प्राक्षान नहीं होगा। हालांकि विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार पुनर्मूल्यांकन की अनुमति है।

38.3 बाहर निकलने के विकल्प केवल सम सेमेस्टर के अंत में उपलब्ध होंगे और प्रदेश के विकल्प केवल विषम सेमेस्टर की शुरुआत में प्रदानित पाठ्यक्रम के साथ उपलब्ध होंगे।

38.4 यदि अध्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा देता है और द्वितीय सेमेस्टर के लिए छोट देता है तथा परिणाम में बहुर्ध सेमेस्टर में प्रवेश लेना चाहता है तो ऐसे अध्यार्थियों को बहुर्ध सेमेस्टर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ऐसे अध्यार्थी को विश्वविद्यालय के नियमानुसार द्वितीय सेमेस्टर में पुनर्व प्रवेश लेना होगा। यह अन्य विषय सेमेस्टर पर भी लागू है।

38.5 यूजीसीएफ से संबंधित कोई भी विद्यु जो इस अध्यादेश के अतार्त शामिल नहीं है उसे विश्वविद्यालय द्वारा समय—समय पर अपने अध्यादेश/नियम/दिशानिर्देशों के माध्यम से निर्धारित किया जाएगा।

38.6 यदि अध्यादेश में शामिल न किए गए यामलों से संबंधित कोई प्रश्न उठता है तो विश्वविद्यालय या यूजीरी के अध्यादेश/संविधि में किए गए प्रासारिक प्राक्षान लागू होंगे।

38.7 एवीसी और बहु प्रदेश और निकास से समर्थित कोई भी विदु जो इस अध्यादेश में शामिल नहीं है उन्हें समय-समय पर जारी यूजीसी टिक्सिनिटीज़ों/विनियमों के प्राक्षणों के अनुसार विषयविद्यासंबंध के नियमों के अनुसार निपटाया जाएगा।

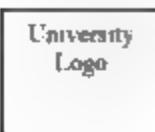
39. अध्यादेश की व्याख्या पर किसी विवाद की रिपोर्ट में अंग्रेजी संस्करण को ही बाल्यकारी माना जाएगा।

40. इस अध्यादेश में उल्लिखित कार्यक्रमों से समर्थित भीजूदा अध्यादेश सत्र 2024-25 से इस अध्यादेश के लागू होने के साथ निरस्त हो जाएगे किन्तु सत्र 2024-25 से पूर्व प्रयोगित विद्यार्थियों पर प्रदेश के समय लागू अध्यादेश ही मान्य होगे।

Table 5  
Table: Sample UGCF for Multidisciplinary Course of Study

Semester	Core (DSC)	Elective (DES)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/Apprenticeship/Project (2)	Value addition Course (VAC)	Total Credits
I	Discipline A-1(4)		Choose one from a pool of courses GE 1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-1(4)							
	Discipline C-1(4)							
II	Discipline A-2(4)		Choose one from a pool of courses GE 2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-2(4)							
	Discipline C-2(4)							
Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 44 credits in semester I and II								Total = 44 Credits
III	Discipline A-3(4)		Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-3(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/Project/community outreach (2)	Choose one from a pool of courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-3(4)							
	Discipline C-3(4)							
IV	Discipline A-4(4)		Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-4(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/Project/community outreach (2)	Choose one from a pool of courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)	22 Credits
	Discipline B-4(4)							
	Discipline C-4(4)							
Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 88 credits on completion of semester IV								Total = 88 Credits
V	Discipline	Choose	Choose one		Choose one SEC OR			22

	A-5(4) Discipline B-5(4)	one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	from a pool of courses GE- 5(4)		Internship/Apprenticeship/Pro ject/community outreach (2)		Credi ts
VI	Discipline A-6(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE- 6(4)		Choose one SEC OR Internship/Apprenticeship/Pro ject/community outreach (2)		22 Credi ts
	Discipline B-6(4)						
	Discipline C-6(4)						
<i>Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study ) after securing the requisite 132 credits on completion of semester VI</i>							Total = 132 Credi ts
VII	DSC (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two GE(4) courses OR All three GE 7,8 & 9 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/Entrepre neurship(4+2)		22 Credi ts
VII	DSC (4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two GE(4) courses OR All three GE 10,11 & 12 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project/Entrepre neurship(4+2)		22 Credi ts
<i>Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study ) (Honours or Honours with Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176</i>							Total = 176 Credi ts



## SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH

## ANNEXURE S-1

Logo as watermark

Name of the University

## GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch	Year
Enrolment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	Mother's Name

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B	7	28
	Programme 4	4	C	6	24
TOTAL		20			146
SGPA	146/20				7.3

\*Grade in Repeat Examination

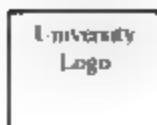
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

\*SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage CGPAx10

Date of Result

Registrar / Controller Examination



## SAMPLE COPY FOR SIXTH

## ANNEXURE-S-2

Logo in water mark

----- Name of the University -----

## GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25	Year				
Enrollment No	Roll No				
Name of the Student	Examination				
Father's/Mother's Name	Mother's Name				
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20		-	146
CGPA	146/20				7.30

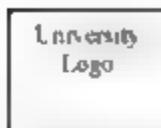
\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
W.I.P.A					
ATTEMPT					
RESULT					
FINAL RESULT PASS					
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE		DIVISION	

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPA x 10

Date of Result

Registrar / Controller Examination



## SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER

## ANNEXURE S-3

Logo in water mark

..... Name of the University .....

## GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2012-13				Year	
Enrolment No				Roll No	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				Mother's Name	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	4	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20			146
SGPA	146.00				7.30

\*Grade in Repeat Examination

SIMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPA x 10

Date of Result

Registrar / Controller Examination

University  
Logo**SAMPLE COPY FOR EIGHTH****ANNEXURE-S-4**

Logo in water mark

Name of the University

**GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25	Year				
Enrollment No.	Roll No.				
Name of the Student	Examination				
Father's/Husband's Name	Mother's Name				
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme I	6	A	8	48
	Programme II	4	C	4	16
	Programme III	10	D	7	70
TOTAL		20			134
SGPA	138/20				6.90

\*Grade in Repeat Examination

**RESULT SEMESTER WISE**

SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

**FINAL RESULT PASS**

Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Controller of Examination

Registrar

अटल नगर, दिनाक 23 अगस्त 2024

क्रमांक एफ 3-24/2023/38-2 — भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समस्त्यक अधिसूचना दिनाक 23-08-2024 का अग्रजी अनुवाद छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
बार पी. पाण्डेय, उप-सचिव

Atal Nagar, the 23rd August 2024

#### NOTIFICATION

No F 3-24/2023 38-2 —Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No 16510, आजनय यू. परिनियम/171/2023, 20484 Dated 25-07-2024 has approved the subsequent Ordinance No 57 of Anjaneya University, Village-Nardaha, Tahsil-Mandu Hasaud, District-Raipur (Chhattisgarh) under Section 29 (2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005

- 2 The State Government hereby gives its approval for notification of these Ordinance in Official Gazette
- 3 The above Ordinance shall come into force with retrospective effect from 1st July, 2024

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh  
R P PANDEY, Deputy Secretary

# Anjaneya University

## Ordinance No. 57

**Ordinance under NEP for Certificate, Diploma, Under Graduate and Post Graduate programmes as per UGC Guidelines except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.**

### 1. Short Title and Commencement

- 1.1 The ordinance shall be called as ordinance for all the certificates, Diploma, Undergraduate and Post graduate programmes as per the guidelines issued by UGC New Delhi under National Education Policy 2020, except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme
- 1.2 This ordinance shall come into force from the academic session 2024-25
- 1.3 The provision of the ordinance shall apply to the three-year (six semester) Bachelor's Degree or Four-year (eight semester) Bachelor's Degree (Honors/Honors with Research), one year/two-year masters' degree programme approved as per statutes no 16 of the Anjaneya University except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme

S No	Faculty	Programmes
1	Journalism/ Mass Communication/ Media	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Bachelor of Journalism (BJ)</li> <li>• Master of Journalism (MJ)</li> <li>• Ph.D</li> </ul>
2	Arts/ Humanities/ Social/ Library Sciences	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Bachelor of Arts (BA)</li> <li>• Masters of Arts (MA)</li> <li>• Bachelor of Social Work (BSW)</li> <li>• Master of Social Work (MSW)</li> <li>• Bachelor of Rural Studies (BRS)</li> <li>• Master of Rural Studies (MRS)</li> <li>• Ph.D</li> </ul>
3	Business Administration/ Commerce/ Management/	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Bachelor of Commerce (B.Com)</li> <li>• Master of Commerce (M.Com)</li> </ul>

	Finance	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Bachelor of Business Administration (BBA)</li> <li>• Master of Business Administration (MBA)</li> <li>• Ph.D</li> </ul>
4	Hotel Management/ Hospitality/ Tourism/ Travel	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Bachelor of Hotel Management and Catering Technology (BIIMCT)</li> <li>• Master of Hotel Management (MHM)</li> <li>• Ph.D</li> </ul>
5	Science/ Statistics/ Computer Application	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Bachelor of Science (B Sc )</li> <li>• Master of Science (M Sc )</li> <li>• Bachelor of Computer Application (BCA)</li> <li>• Master of Application (MCA)</li> <li>• Bachelor of Statistics (B Stat)</li> <li>• Master of Statistics (M Stat)</li> <li>• Ph.D</li> </ul>
6	Engineering/ Technology/ Architecture/ Design	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Diploma in Engineering</li> <li>• Bachelor of Technology (B Tech )</li> <li>• Master of Technology (M Tech )</li> <li>• Bachelor of Design (B Des )</li> <li>• Master of Design (M Des )</li> <li>• Ph.D</li> </ul>
7	Vocational Education	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Bachelor of Vocation (B Voc)</li> <li>• Ph.D</li> </ul>
8	Rehabilitation Sciences	<ul style="list-style-type: none"> <li>• B.R.Sc</li> <li>• M.R.Sc</li> </ul>

## 2. Definition and keyword

- 2.1 "Act" means the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005 and subsequent amendments
- 2.2 "University" means Anjaneya University, Raipur Chhattisgarh established under Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005

2.3 "Student" means one who has been admitted in the various programme of this University as per procedure decided by Umeya University, Raipur for Admission to undergraduate/postgraduate degree and postgraduate diploma courses from time to time

2.4 "Choice Based Credits System (CBCS)" means a program that provides choice for students to select from the prescribed courses (Core Courses, Mandatory Courses, Professional Core, Professional Elective, Open Elective, Minor Track, Value Added, Skill Enhancement Courses etc) as per the guidelines issued by UGC / relevant regulatory body where ever applicable and as approved by the appropriate bodies of the University

2.5 "Course" means "papers" through different modes of delivery and is a component of a programme as detailed out in the respective program structure

2.6 "Credits Point" means the product of grade point and number of credits for a course

2.7 "Credits" means a unit by which the course work is measured. It determines the number of hours of instructions required per week. One credit is equivalent to one hour of teaching (lecture, tutorial or seminar) per week or two hours of practical work / field work/project etc per week. The number of credits for each course shall be defined in the respective examination scheme.

2.8 "Cumulative Grade Point Average (CGPA)" means a measure of overall cumulative performance of a student in all semesters. The CGPA is the ratio of total credits points secured by a student in various courses registered up to the semester concerned and the sum of the total credit points of all the registered courses in those semesters concerned. It shall be expressed up to two decimal places.

2.9 "Semester Grade Point Average (SGPA)" means a measure of performance of a student in a particular semester. It is the ratio of total credits points secured by a student in various courses registered in a semester and the total credits of all courses in that semester. It shall be expressed up to two decimal places

2.10 "Grade Point" means a numerical weight allotted to each letter grade on a 10-point scale or as prescribed by the University from time to time.

**2.11 "Letter Grade"** means an index of the performance of students in a course. Grades are denoted by letters O, A+, A, B+, B, C, P, F and AB.

**2.12 "Semester"** means an academic session spread over 14-20 weeks of teaching work. The odd semester may normally be scheduled from July to December and even semester from January to June.

**2.13 "Grade Sheet"** means a certificate based on the grades earned. Grade sheet shall be issued to all the students registered for the examination after every semester. The grade sheet shall contain the course details (code, title, number of credits, grade secured) along with SGPA of the semester and CGPA earned till that semester. The final semester grade sheet shall also reflect the cumulative total of marks obtained by the student in all semesters out of maximum marks allocated for which the grades of the program were evaluated. However, the final result shall be based on the grades/CGPA.

**2.14 "Transcript"** means a certificate issued to all enrolled students in a program after successful completion of the program. It contains the SGPA of all semesters and the CGPA.

**2.15 "NEP"** means National Education policy-2020

**2.16 "NSQF"** means National Skills Qualifications Framework defined in NFP 2020

**2.17 "NHFQF"** National Higher Education Qualification Framework defined in NFP 2020

**2.18 "UCF"** means Unified Credits Framework defined in NFP 2020.

**2.19 "Undergraduate Certificate Course"** means students who completed the requirement of NHEQF Level 4 S/ UCF Level 5

**2.20 "Undergraduate Diploma Course"** means students who completed the requirement of NHEQF Level 5 / UCF Level 6

**2.21 "Bachelor Degree"** means students who completed the requirement of NHEQF Level 5 S/ UCF Level 7

**2.22 "Bachelor Degree (Honours/Research)"** means students who completed the requirement of NHEQF Level 6/ UCF Level 8

**2.23 "Post Graduate Degree Course"** 2 year PG Students entering 2 year PG after a 3

year UG programme or 1 year PG Students entering 1 year PG after a 4 year UG programme with Honors / Research.

2.24 **"Post Graduate Diploma Course"** For the PG programme, there shall only be one exit point for those who join two-year PG programme Students who exit at the end of 1st year shall be awarded a Postgraduate Diploma.

2.25 **"Course Registration"** refers to the registration to courses of study in every semester by every student under the supervision of a faculty advisor (also called mentor, counsellor, class teacher, etc ), in the University to maintain the proper record

2.26 **"Course Evaluation"** represents the measurement of the impact of the teaching-learning process and offers an opportunity for improving the quality of learning in courses and teaching performance Courses evaluation is done by adopting different methods such as tests, quizzes, assignments, etc . during the teaching-learning period at the end of some modules or chapters of syllabus contents and at the end of the semester While the former part of the evaluation is called the continuous internal assessment and the later part of the evaluation is called end semester assessment

2.27 **"Credit Based Course Structure"** Each course carries a defined number of credits The credits are based on the course structure, including the teaching mode and the number of contact hours for lecture, tutorial, and practical classes Credits are based on the number of contact hours, course content, and teaching methodology and allotted maximum marks. The credits shall be awarded by the University The credits can be calculated as follows

- One hour of theory or one hour of tutorial or two hours of laboratory work per week for 12-15 weeks resulting in the award of one credit
- Credits for internship shall be one credit per week of training, subject to a maximum of four credits in a semester
- Project/Dissertation two hours of Project/Research work per week for 12-15 weeks resulting in the award of one credit

2.28 **"Academic Bank of Credits (ABC)"** is a national-level facility which shall promote the flexibility of the curriculum framework and interdisciplinary/multidisciplinary academic mobility of students across the higher education institutions (HEIs) in the country with appropriate "credit transfer" mechanism.

2.29 **"Multiple Entry Exit"** means the multiple entries and exit points in the academic

programs offered at HEIs that would remove rigid boundaries and create new possibilities for students. There are occasions when learners have to give up their education mid-way for various reasons. To facilitate flexible learning within the stipulated period, multiple exit and entry options are given to the needy students. The student can exit from the program only at the end of the even semester/s (2nd, 4th, and 6th semester) and the entry option is provided to the students at the beginning of the odd semester/s (3rd, 5th and 7th semester).

### 3. Eligibility for Admission:

- 3.1 Admission rules and guidelines for admission to these programmes shall be as per rules and regulations framed by UGC and the State Government from time to time.
- 3.2 The student who has passed the Grade 12<sup>th</sup> Examination from CG Board of Secondary Education, Chhattisgarh or an equivalent examination from any other board recognized by the State and Central Government and other statutory bodies or fulfills eligible conditions as laid down by concerned regulatory body, in which case the later shall prevail to these Undergraduate Program

#### Number of Seats:

- 3.3 Student enrolment in a program shall be restricted to the seats allotted by the University. To start any under graduate program the student intake shall be 60 and for the post graduate program it shall be 40. The basic unit shall be multiples of the unit can also be set up by the Board of Management (BOM) with the information to CGPURC
- 3.4 The in-take capacity shall be determined in advance by the University under the provisions of this Ordinance and shall be applicable from the academic session 2024-25
- 3.5 Depending upon the academic and physical facilities available, the University may earmark seats to a maximum of 10% of the seats sanctioned for the previous year of the programme for lateral entrants in the second year, third year, fourth year of a first-degree programme, if the students have successfully completed the first year/second year/third year of the same programme in any institution and wants to re-enter into the programme after a break in studies with information to CGPURC
- 3.6 Indian HEIs may admit international students based on the equivalence of entry qualification held by them. The equivalence is to be determined by the University Grants Commission (UGC) or any other body recognised by UGC for such purpose or the concerned regulatory bodies of the country. HEIs may adopt a transparent admission process for admitting the international students
- 3.6 .1 HEIs may create up to 25% supernumerary seats for international students, over and above of their total sanctioned enrolment for Undergraduate and Postgraduate programmes. The decision regarding 25% supernumerary seats

has to be carried out by the concerned higher educational institutions as per specific guidelines/regulations issued by the regulatory bodies considering the infrastructure, faculty and other requirements

- 3.6.2 The 25% of the supernumerary seats for international students will not include the international students under exchange programmes or/and through Memorandum of Understanding (MoU) between institutions or between Government of India and other countries
- 3.6.3 Depending on the availability of infrastructure and qualified faculty, efforts should be made to distribute these 25% seats among all departments, schools, centres or any other academic unit of the higher educational institution wherever possible
- 3.6.4 The supernumerary seats shall be exclusively meant for the international students both in the Undergraduate and Post-graduate programmes. A seat remained unfilled in the supernumerary category, shall not be allocated to anyone other than an international student. International students in this context shall be defined as the one who shall possess a foreign passport.
- 3.6.5 The provision of creating supernumerary seats for international students should be formalized by way of approval of statutory body/bodies of the HFIs in accordance with the guidelines/regulations issued by the regulatory bodies from time to time
- 3.6.6 The supernumerary seats in professional and technical institutes shall be governed by the respective statutory bodies
- 3.6.7 Supernumerary seats for Ph.D. programmes shall be governed by the Regulations notified by the University Grants Commission from time to time in this regard
- 3.6.8 All IICIs shall have an 'Office for International Students' Year-wise details, i.e., country, number, programme/subject, duration etc., regarding the international students in the IICI be maintained by it and be made available on their website
- 3.6.9 All details regarding number of seats available for international students in each programme, fee prescribed for the same, admission process, eligibility conditions etc. shall be made available on the website of the HFI

All existing rules/provisions notified by Government of India regarding visa/ Foreign Regional Registration Offices (FRRO) etc. shall be followed by the HFIs

- 3.7 The 10% of the supernumerary seats for international students shall not include the international students under exchange programmes or/and through Memorandum of Understanding (MoU) between institutions or between Government of India and other countries
- 3.8 Documents required (TC/CC/Migration etc.) for admission to these programs by National or International students shall be as per guidelines issued by regulatory

bodies or decided by the Academic Council with prior approval from the Board of Management.

**3.9** To enable multiple entry and exit points in the academic programmes, qualifications such as certificate, diploma, and degree are organized in a series of levels in an ascending order from level 4.5 to level 6. Level 4.5 represents Certificate, level 5 represents Diploma, level 5.5 represents bachelor's degree and 6 represents Bachelor Degree (Honors/Honors with Research)/B Tech /B F /PG-Diploma. Qualification and minimum credit requirements are as mentioned in Table-1. The entry and exit options for students, who enter the undergraduate programme, shall be as under:

**UG Certificate:** Students who opt to exit after completion of the first year and have secured 40 credits shall be awarded a UG certificate if, in addition, they complete one vocational course of 4 credits during the summer vacation of the first year. These students are allowed to re-enter the degree programme within three years and complete the degree programme within the stipulated maximum period of seven years.

**UG Diploma:** Students who opt to exit after completion of the second year and have secured 80 credits shall be awarded the UG diploma if, in addition, they complete one vocational course of 4 credits during the summer vacation of the second year. These students are allowed to re-enter within a period of three years and complete the degree programme within the maximum period of seven years.

**3 year UG Degree:** Students who wish to undergo a 3-year UG programme shall be awarded UG Degree in the Major discipline after successful completion of three years, securing 120 credits and satisfying the minimum credit requirement.

**4 year UG Degree (Honours):** A four-year UG Honours degree in the major discipline shall be awarded to those who complete a four-year degree programme with 160 credits and have satisfied the credit requirements as given in Table 1.

**4 year UG Degree (Honours with Research):** Students who secure 75% marks and above in the first six semesters and wish to undertake research at the undergraduate level can choose a research stream in the fourth year. They should do a research project or dissertation under the guidance of a faculty member of the University. The research project/dissertation shall be in the major discipline. The students who secure 160 credits, including 12 credits from a research project/dissertation, are awarded UG Degree(Honours with Research).

**UG Degree Programmes with Single Major:** A student has to secure a minimum of 50% credits from the major discipline for the 3-year/4-year UG degree to be awarded a single major.

**UG Degree Programmes with Double Major:** A student has to secure a minimum of 40% credits from the second major discipline for the 3-year/4-year UG degree to be awarded a double major.

**Interdisciplinary UG Programmes:** The credits for core courses shall be distributed

among the constituent disciplines/subjects so as to get core competence in the interdisciplinary programme

**Multidisciplinary UG Programmes:** In the case of students pursuing a multidisciplinary programme of study, the credits to core courses shall be distributed among the broad disciplines such as Life sciences, Physical Sciences, Mathematical and Computer Sciences, Data Analysis, Social Sciences, Humanities, etc ,

The statutory bodies of the University such as the Board of Studies and Academic Council shall decide on the list of courses under major category and credit distribution for double major, interdisciplinary and multidisciplinary programmes. Minimum Credit Requirements to Award Degree under Each Category

**Table 1: Qualification Type and Credit Requirements.**

NHEQF levels	Qualification title/nomenclature	Credit Requirements (Minimum)
Level 4 5	Undergraduate Certificate (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first year (2 semesters) of the undergraduate programme (Programme duration: First year or 2 semesters of the undergraduate programme)	40 credits
Level 5	Undergraduate Diploma (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first two years (4 semesters) of the undergraduate programme (Programme duration: First two years or 4 semesters of the undergraduate programme)	80 credits
Level 5 5	Bachelor's Degree (examples: Bachelor of Arts, Bachelor of Science, Bachelor of Commerce ; Bachelor of Business Administration, etc (Programme duration: Three years or 6 semesters)	120 credits
Level 5 5	Bachelor of Vocation (B Voc) (Programme duration: 3 years or 6 semesters)	120 credits
Level 6	Bachelor of Engineering (B E ), Bachelor of Technology (B Tech ) (Programme duration: Four years or 8 semesters)	160 credits
Level 6	B A , B Ed , B Sc , B Ed , B Com , B Ed (4-year dual-degree Integrated Teacher Education Programme)	160 credits
Level 6	Bachelor's Degree (Honours/ Honours with Research) (Programme duration: Four years or 8 semesters)	160 credits

Level 6	Post-Graduate Diploma. For those who exit after successful completion of the first year or two semesters of the 2-year master's programme) (Programme duration. One year or 2 semesters).	40 credits
Level 6.5	Master's degree (e.g. M.A., M.Com., M.Sc., etc.) (Programme duration Two years or four semesters after obtaining a 3-year Bachelor's degree)	80 credits
Level 6.5	Master's degree (e.g. M.A., M.Com., M.Sc., etc.) (Programme duration One year or 2 semesters after obtaining a 4- year Bachelor's degree (Honours/	40 credits
Level 7	Master's degree (e.g. M.L., M.Tech. etc.) (Programme duration Two years or four semesters after obtaining a Bachelor's degree (e.g. B.F., B.Tech etc.)	80 credits
Level 8	Doctoral degree	Credits for course work and, a thesis and published work

#### **Note: -**

- Honours students not undertaking research shall do 3 courses for 12 credits in lieu of a research project / Dissertation
- As per the guidelines promulgated by UGC/Statutory bodies, the university may allot additional credits in a manner that shall facilitate the students to meet the minimum credit requirements

#### **4. Curricular Components of The Undergraduate Programme**

The curriculum consists of major stream courses, minor stream courses and courses from other disciplines, language courses, skill courses, and a set of courses on Environmental education, understanding India, Digital and technological solutions, Health & Wellness, Yoga education, and sports and fitness. At the end of the second semester, students can decide either to continue with the chosen major or request a change of major. The minor stream courses include vocational courses which shall help the students to equip with job-oriented skills.

#### **5. Disciplinary/Interdisciplinary Major:**

The major would provide the opportunity for a student to pursue in-depth study of a particular subject or discipline. Students may be allowed to change major within the broad discipline at the end of the second semester by giving her/him sufficient time to explore interdisciplinary courses during the first year. Advanced-level disciplinary/interdisciplinary

courses, a course in research methodology, and a project/dissertation shall be conducted in the seventh semester. The final semester shall be devoted to seminar presentation, preparation, and submission of project report/dissertation. The project work/dissertation shall be on a topic in the disciplinary programme of study or an interdisciplinary topic.

## **6. Disciplinary/ Interdisciplinary Minor:**

Students shall have the option to choose courses from disciplinary interdisciplinary minors and skill-based courses relating to a chosen vocational education programme. Students who take a sufficient number of courses in a discipline or an interdisciplinary area of study other than the chosen major shall qualify for a minor in that discipline or in the chosen interdisciplinary area of study. A student may declare the choice of the minor and vocational stream at the end of the second semester after exploring various courses.

## **7. Vocational Education and Training:**

Vocational Education and Training shall form an integral part of the undergraduate programme to impart skills along with theory and practical. A minimum of 12 credits shall be allotted to the 'Minor' stream relating to Vocational Education and Training and these can be related to the major or minor discipline or choice of the student. These courses shall be useful to find a job for those students who exit before completing the programme.

## **8. Courses from Other Disciplines (Multidisciplinary) (9 Credits):**

All UG students are required to undergo 3 introductory-level courses relating to any of the broad disciplines given below. These courses are intended to broaden the intellectual experience and form part of liberal arts and science education. Students are not allowed to choose or repeat courses already undergone at the higher secondary level (12th class) in the proposed major and minor stream under this category.

- 8.1 Natural and Physical Sciences:** Students can choose basic courses from disciplines such as Natural Science, for example Biology, Botany, Zoology, Biotechnology, Biochemistry, Chemistry, Physics, Biophysics, Astronomy and Astrophysics, Earth and Environmental Sciences, Microbiology, Forensic Science etc.
- 8.2 Mathematics, Statistics, and Computer Applications:** Courses under this category shall facilitate the students to use and apply tools and techniques in their major and minor disciplines. The course may include training in programming software like Python among others and applications software like STATA, SPSS, Tally, etc. Basic courses under this category shall be helpful for science and social science in data analysis and the application of quantitative tools.
- 8.3 Library, Information, and Media Sciences:** Courses from this category shall help the students to understand the recent developments in information and media science (journalism, mass media, and communication).

**8.4 Commerce and Management** Courses include Business Management, Accountancy, Finance, Financial Institutions, FinTech, etc.

**8.5 Humanities and Social Sciences:** The courses relating to Social Sciences, for example, Anthropology, Communication and Media, Economics, History, Linguistics, Political Science, Psychology, Social Work, Sociology, etc. shall enable students to understand the individuals and their social behaviour society and nation. Students be introduced to survey methodology and available large-scale databases for India. The courses under humanities include for example, Archaeology, History, Comparative Literature, Arts & Creative expressions, Creative Writing and Literature, language(s), Philosophy, etc., and interdisciplinary courses relating to humanities. The list of Courses that can include interdisciplinary subjects such as Cognitive Science, Environmental Science, Gender Studies, Global Environment & Health, International Relations, Political Economy and Development, Sustainable Development, Women's and Gender Studies, etc. shall be useful to understand society.

**9. Ability Enhancement Courses (AEC) (08 Credits): Modern Indian Language (MIL) & English Language Focused on Language and Communication Skills.**

Students are required to achieve competency in a Modern Indian Language (MIL) and in the English language with special emphasis on language and communication skills. The courses aim at enabling the students to acquire and demonstrate the core linguistic skills including critical reading and expository and academic writing skills that help students articulate their arguments and present their thinking clearly and coherently and recognize the importance of language as a mediator of knowledge and identity. They would also enable students to acquaint themselves with the cultural and intellectual heritage of the chosen MIL and English language, as well as to provide a reflective understanding of the structure and complexity of the language/literature related to both the MIL and English language. The courses shall also emphasize the development and enhancement of skills such as communication, and the ability to participate/conduct discussion and debate.

**10. Skills Enhancement Courses (SEC):**

These courses are aimed at imparting practical skills, hands-on training, soft skills, etc., to enhance the employability of students. The University may design courses as per the students' needs and available resources.

**11. Value-Added Courses (VAC) Common to All UG Students (6-8 Credits)**

**11.1 Understanding India:** The course aims at enabling the students to acquire and demonstrate the knowledge and understanding of contemporary India with its historical perspective, the basic framework of the goals and policies of national development, and the constitutional obligations with special emphasis on constitutional values and fundamental rights and duties. The course would also focus

on developing an understanding among student-teachers of the Indian knowledge systems, the Indian education system, and the roles and obligations of teachers to the nation in general and to the school/community/society. The course shall attempt to deepen knowledge about and understanding of India's freedom struggle and of the values and ideals that it represented to develop an appreciation of the contributions made by people of all sections and regions of the country, and help learners understand and cherish the values enshrined in the Indian Constitution and to prepare them for their roles and responsibilities as effective citizens of a democratic society.

**11.2 Environmental science/education:** The course seeks to equip students with the ability to apply the acquired knowledge, skills, attitudes, and values required to take appropriate actions for mitigating the effects of environmental degradation, climate change, and pollution, effective waste management, conservation of biological diversity, management of biological resources, forest and wildlife conservation, and sustainable development and living. The course shall also deepen the knowledge and understanding of India's environment in its totality, its interactive processes, and its effects on the future quality of people's lives.

**11.3 Digital and technological solutions:** Courses in cutting-edge areas that are fast gaining prominences, such as Artificial Intelligence (AI), 3-D machining, big data analysis, machine learning, drone technologies, and Deep learning with important applications to health, environment, and sustainable living that shall be woven into undergraduate education for enhancing the employability of the youth.

**11.4 Health & Wellness, Yoga education, sports, and fitness:** Course components relating to health and wellness seek to promote an optimal state of physical, emotional, intellectual, social, spiritual, and environmental well-being of a person. Sports and fitness activities shall be organized outside the regular University working hours. Yoga education would focus on preparing the students physically and mentally for the integration of their physical, mental, and spiritual faculties, and equipping them with basic knowledge about one's personality, maintaining self-discipline and self-control, to learn to handle oneself well in all life situations. The focus of sports and fitness components of the courses shall be on the improvement of physical fitness including the improvement of various components of physical and skills-related fitness like strength, speed, coordination, endurance, and flexibility, acquisition of sports skills including motor skills as well as basic movement skills relevant to a particular sport, improvement of tactical abilities, and improvement of mental abilities.

The University shall introduce other innovative value-added courses relevant to the discipline or common to all UG programmes as per requirement.

## 12. Indian Knowledge System

Course content related to Indian Knowledge System (IKS) shall also be incorporated in syllabus.

- 12.1 IKS shall be an integral part of the UG course curriculum for all disciplines
- 12.2 The credits taken into IKS should be at least 5% of total mandated credits in Four Years UG programmes. At least 50% of the credits apportioned to the IKS shall be assigned to the core disciplinary and multidisciplinary courses. The students may be allowed to opt for internship/apprenticeship in any of the disciplines/topics that are part of IKS
- 12.3 In addition, University shall ensure to have minimum one/two paper in foundational courses of IKS preferably during the first four semester of UG programme with minimum three/four credit (Three Years/Four Years UG programmes respectively) as a part of Value added Course (VAC)
- 12.4 The courses under IKS shall be categorized into Foundational Courses (Specialized to IKS) and Elective courses (Discipline Specific) in selected disciplines/multidiscipline
  - 12.4.2 Foundational Courses This will cover the basic knowledge of IKS and it may contain basic knowledge of Indian literature, Culture, Astronomy, Art & Crafts, Architecture, Music etc
  - 12.4.2 Elective courses (Discipline Specific) It contains the advanced knowledge pertaining to the specific discipline such as Indian Mathematics and Indian Astronomy This will be part of Major discipline

## 13. Summer Internship/Apprenticeship (2 – 4 Credits)

A key aspect of the new UG programme is induction into actual work situations. All students shall also undergo internships / Apprenticeships in a firm, industry, or organization or Training in labs with faculty and researchers in their own or other HFs/research institutions during the summer term. Students shall be provided with opportunities for internships with local industry, business organizations, health and allied areas, local governments (such as panchayats, municipalities), Parliament or elected representatives, media organizations, artists, crafts persons, and a wide variety of organizations so that students may actively engage with the practical side of their learning and, as a by-product, further improve their employability. Students who wish to exit after the first two semesters shall undergo a 4-credit work-based learning/internship during the summer term in order to get a UG Certificate

#### **14. Community Engagement and Service:**

The curricular component of 'community engagement and service' seeks to expose students to the socio-economic issues in society so that the theoretical learnings can be supplemented by actual life experiences to generate solutions to real-life problems. This can be part of summer term activity or part of a major or minor course depending upon the major discipline.

#### **15. Field-Based Learning/Minor Project:**

The field-based learning/ minor project shall attempt to provide opportunities for students to understand the different socio-economic contexts. It shall aim at giving students exposure to development-related issues in rural and urban settings. It shall provide opportunities for students to observe situations in rural and urban contexts, and to observe and study actual field situations regarding issues related to socioeconomic development. Students shall be given opportunities to gain a first hand understanding of the policies, regulations, organizational structures, processes, and programmes that guide the development process. They would have the opportunity to gain an understanding of the complex socio-economic problems in the community, and innovative practices required to generate solutions to the identified problems. This may be a summer term project or part of a major or minor course depending on the subject of study.

#### **16. Research Project / Dissertation**

Students choosing a 4 Year Bachelor's degree (Honours with Research) are required to take up research projects under the guidance of a faculty member. The students are expected to complete the Research Project in the eighth semester. The research outcomes of their project work may be published in peer-reviewed journals or may be presented in conferences /seminars or may be patented.

The principle of calculating credits acquired by a candidate by virtue of relevant experiential learning including relevant experience and professional levels acquired and attaining proficiency levels (post-completion of an academic grade/ skill-based program) gained by the learner/student in the industry for PG programmes is given in the Table below.

**Credit Assignment for relevant experience/ proficiency**

Experience cum Proficiency Levels	Description of the relevant Experiential learning including relevant experience and professional levels acquired and attaining proficiency levels	Weightage/ multiplication Factor	No of years of experience (Only indicative)
Trained Qualification attained	Someone who has completed the coursework/ education training and has been taught the skills and knowledge needed for a particular job or activity	1	Less than or equal to 1 year
Proficient	Proficient would mean having the level of	1 33	More than

	advancement in a particular profession, skillset, or knowledge		less than or equal to 4
Expert	Expert means having high level of knowledge and experience in a trade or profession	1 67	More than 4 less than or equal to 7
Master	Master is someone having exceptional skill or knowledge of a subject domain	2	More than 7

### 17. Other Activities:

This component shall include participation in activities related to National Service Scheme (NSS), National Cadet Corps (NCC), adult education/literacy initiatives, mentoring school students, and other similar activities

### 18. Massive Open Online Course (Mooc's)

MOOC's provide flexibility to learners to switch to alternative modes (offline, ODI, online learning & hybrid mode). The University as per the guidelines/recommendations received from UGC allows up to 40 percent (40%) of the total courses / credit units being offered in a semester of a programme offered through the SWAYAM/ NPTEL or any other online UGC approved platform

The university shall develop its guidelines for the implementation of MOOC-based courses. These guidelines outline the process of course selection, credit transfer, and other relevant aspects to ensure a smooth integration of MOOC's into the curriculum

### 19. Structure For Undergraduate Programme: Semester System

As per NEP and guidelines from UGC during the Three years Bachelor programme/ Four years Bachelor with Honours/ Honours with Research, students get opportunities for multiple exits and entries in the programme with earning a Certificate/Diploma/Degree after the completion of required minimum credit units as per the Table 1

\* Student exiting the programme after securing 40 credits (Level 4.5 who shall be awarded UG Certificate) or 80 credits (Level 5 who shall be awarded UG Diploma) are also required to secure 4 additional credits in work/domain based vocational courses offered during summer term or industrial internship/apprenticeship

The 4-year Bachelor's degree programme is considered a preferred option since it would provide the opportunity to experience the full range of holistic and multidisciplinary education in addition to a focus on the chosen major and minor as per the choice of the student. (Table – II A&B)

**Table II A: Minimum credit requirement to award degree under each category**

Sr. No.	Category of Course	Minimum Credit Requirement	
		3- Years UG Programmes	4- Years UG Programmes
1	Major (Core) Courses	60 (50%)	80 (50%)
2	Minor (Elective) Courses	24	32
3	Multidisciplinary/Interdisciplinary Allied Courses	09	09
4	AEC (Ability Enhancement Courses)	08	08
5	SEC (Skill Enhancement Courses)	09	09
6	VAD (Value Added Courses) including Indian Knowledge System (IKS)	06-08	06-08
7	Summer Internship	02-04	02-04
8	Dissertation (Research Project)		12
	<b>Total Credits</b>	<b>120</b>	<b>160</b>

**Note:-** Honors student not undertaking research will do three courses of 12 credits in lieu of a research project/dissertation.

**Table II B: The Semester-wise and Broad Course Category-wise Distribution of credits of the Undergraduate Programme:**

Semester	Discipline Specific Courses Core	Minor	Inter-disciplinary Courses	Ability Enhancement courses (Language )	Skill Enhancement courses Internship/ Dissertation	Common Value-Added Courses	Total Credits
I	(100 level)	(100 Level)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	(1 or 2 courses )	20
II	(100 level)	(100 Level)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	(1 or 2 courses )	20
Students exiting the programme after securing 40 credits shall be awarded UG Certificate in the relevant Discipline /Subject provided they secure 4 credits in work based vocational courses offered during summer term or internship / Apprenticeship / Skill Enhancement Course in addition to 6 credits from skill based courses earned during first and second semester.							40

III	(200 level)	(200 & above)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	-	20
IV	(200 level)	(200 & above)	-	(1 course)	-		20
Students exiting the programme after securing 80 credits shall be awarded UG Diploma in the relevant Discipline /Subject provided they secure additional 4 credit in skill based vocational courses offered during first year or second year summer term.							80
V	(300 Level)	(200 & above)	-	-	(Internship)	-	20
VI	(300 Level)	(200 & above)	-	-	-	-	20
Students who want to undertake 3-year UG programme shall be awarded UG Degree in the relevant Discipline /Subject upon securing 120 credits							120
VII	(400 Level)	(300 & above)	-	-	-	-	20
VIII	(400 Level)	(300 & above)	-	-	(Research Project/ Dissertation)		20
Students shall be awarded UG Degree (Honours) with Research in the relevant Discipline (Subject provided they secure 160 credits)							160

**Note:**

- Only the minimum total number of credits in each semester is indicated above. The HEIs may decide the number of credits for each course (e.g., Major, Minor, Multidisciplinary, etc.) to fulfil the minimum number of credit requirements. The HEIs may offer additional 10% credit if required.
- Students may be permitted to audit course(s) of their choice offered by the HEI provided they meet the pre-requisite for the course.
- Minor stream courses can be from the 3rd 300 or above level and 50% of the total credits from minors must be secured in the relevant subject/discipline and another 50% of the total credits from a minor can be earned from any discipline as per students' choice.
- Students are not allowed to take the same courses studied in the 12th class under the

interdisciplinary category

- c) 40% of the credits in any category may be earned through online courses approved by the University as per the existing UGC regulations
- f) VIII-Semester core major may be seminar-based with students' presentations and discussions.
- g) Students may be encouraged to enroll in activities such as NSS / NCC

### Structure of PG-Programmes

**For 2-year PG** Students entering 2-year PG after a 3-year UG programme can choose to do (i) only course work in the third and fourth semester or (ii) course work in the third semester and research in the fourth semester or (iii) only research in the third and fourth semester

**1-year PG:** Students entering 1-year PG after a 4-year UG programme can choose to do (i) only coursework or (ii) research or (iii) coursework and research

**5-year Integrated Programme (UG+PG)** At the PG level, the curricular component of 5-year integrated programme will be similar to that of 2-year PG mentioned above

#### Credit Distribution

##### a) For 1-year PG

Curricular Components	PG Programme (one year) for 4-yr UG (Hons./Hons. with Research)			
	Minimum Credits			
Course Level	Coursework	Research thesis/project/Project	Total Credits	
Coursework + Research	500	20	20	40
Coursework	500	40	—	40
Research	—	—	40	—

##### b) For 2-year PG

Curricular Components	Two-Year PG Programme (Generic and Professional)			
	Minimum Credits			
Course Level	Coursework	Research thesis/project/Project	Total Credits	
PG Diploma	400	40	—	40

<b>1<sup>st</sup> Year (1<sup>st</sup> &amp; 2<sup>nd</sup> Semester)</b>	400 500	24 16	-	40
<b>Students who exit at the end of 1<sup>st</sup> year shall be awarded a Postgraduate Diploma</b>				
<b>2<sup>nd</sup> Year (3<sup>rd</sup> &amp; 4<sup>th</sup> Semester)</b>	<b>Coursework &amp; Research</b>	500	20	20
	<b>Coursework (or) Research</b>	500	40	--
	--	--	40	40

**Exit Point:**

For those who join 2 year PG programmes, there shall only be one exit point. Students who exit at the end of 1st year shall be awarded a Postgraduate Diploma.

The PG programme should include vocational courses relevant to the chosen discipline.

**Levels of Courses:**

Courses shall be coded based on the learning outcomes, level of difficulty, and academic rigor. The coding structure is as follows:

- i. **0-99:** Pre-requisite courses required to undertake an introductory course which will be a pass or fail course with no credits. It will replace the existing informal way of offering bridge courses that are conducted in some of the colleges/ universities.
- ii. **100-199:** Foundation or introductory courses that are intended for students to gain an understanding and basic knowledge about the subjects and help decide the subject or discipline of interest. These courses may also be prerequisites for courses in the major subject. These courses generally would focus on foundational theories, concepts, perspectives, principles, methods, and procedures of critical thinking in order to provide a broad basis for taking up more advanced courses. These courses seek to equip students with the general education needed for advanced study, expose students to the breadth of different fields of study, provide a foundation for specialized higher-level coursework, acquaint students with the breadth of (inter) disciplinary fields in the arts, humanities, social sciences, and natural sciences, and to the historical and contemporary assumptions and practices of vocational or professional fields, and to lay the foundation for higher level coursework.
- iii. **200-299:** Intermediate-level courses including subject-specific courses intended to meet the credit requirements for minor or major areas of learning. These courses can be part of a major and can be pre-requisite courses for advanced-level major courses.
- iv. **300-399:** Higher-level courses which are required for majoring in a disciplinary/ interdisciplinary area of study for the award of a degree.

- v 400-499: Advanced courses which would include lecture courses with practicum, seminar-based course, term papers, research methodology, advanced laboratory experiments/ software training, research projects, hands-on-training, internship/apprenticeship projects at the undergraduate level or First year Postgraduate theoretical and practical courses
- vi 500-599: Courses at first-year Master's degree level for a 2-year Master's degree programme
- vii 600-699: Courses for second-year of 2-year Master's or 1-year Master's degree programme
- viii 700 -799 & above Courses limited to doctoral students

## 20. Nomenclature of Undergraduate Programmes

The undergraduate degree programmes shall be of either 3- or 4-year duration with multiple exit/entry options (Certificate/Diploma/Degree)

The UG programmes offered by the University shall be revised with new nomenclature as per the UGC Guidelines

The Credit requirements for the undergraduate programmes, are given in Table – 1

## 21. Nomenclature of Postgraduate Programmes

The nomenclature of post-graduate programme/post-graduate diploma programme offered by the university shall be as per the UGC guidelines.

## 22. Admission Paths for the Postgraduate Programme:

- a) Students shall be admitted to a two-year programme with the second year devoted entirely to research for those who have completed the three-year Bachelor's programme
- b) Students completing a four-year Bachelor's programme with Honours, Research, maybe admitted to a one-year Master's programme
- c) A student is eligible for admission in a PG programme either in the major or minor discipline taken by the student in his/her UG programme
- d) Irrespective of the major or minor disciplines taken by a student in a UG programme, a student is eligible for admission in any discipline of PG programmes if the student qualifies the National level or University level entrance examination in the discipline of PG programme
- e) Candidates who have completed 4-year UG programme or a 3 year UG and 2 year PG programme or 5 year integrated programme (UG + PG) in STEM subjects will be eligible for admission in M.E., M.Tech. in allied areas
- f) There may be an integrated five-year Bachelor's/Master's programme

**Entry 5:** The entry requirement for Level 6 5 is

- a) A Bachelor's Degree (Honours/Research) for the one-year/two-semester Master's degree programme
- b) A Bachelor's Degree for the two-year/four-semester Master's degree programme
- c) A Bachelor's Degree for the one-year/two-semester Post-Graduate Diploma programme
- d) A programme of study leading to the Master's degree and Post-Graduate Diploma is open to those who have met the entrance requirements, including specified levels of attainment, in the programme admission regulations. Admission to a programme of study is based on the evaluation of documentary evidence (including the academic record) of the applicant's ability to undertake postgraduate study in a specialist field of enquiry

**Exit 5:** For postgraduate programmes, there shall only be one exit point for those who join the two-year Master's programme, that is, at the end of the first year of the Master's programme. Students who exit after the first year shall be awarded the Post-Graduate Diploma

### **23. Credit Requirements of Postgraduate Programmes**

- a) A one-year/two-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degree with Honours/Research and requires 40 credits for individuals who have completed a Bachelor's degree with Honours/Research
- b) The two-year/four-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degree and requires a total of 80 credits from both years of the programme, with 40 credits in the first year and 40 credits in the second year of the programme at level 7
- c) A one-year/two-semester Post-Graduate Diploma programme builds on a Bachelor's degree and requires 40 credits for individuals who have completed a Bachelor's degree

\*A student shall be allowed to enter/re-enter only at the odd semester and can only exit after the even semester. Re-entry at various levels as lateral entrants in academic programmes should be based on the earned credits and proficiency test records

\*The validity of credits earned shall be to a maximum period of seven years or as specified by the ABC. The procedure for depositing credits earned, its shelf life, redemption of credits, would be as per UGC (Establishment and Operationalization of Academic Bank of Credits (ABC) scheme in Higher Education) Regulations, 2021

### **24. Norms for Duration, Entry Level Qualifications and Statutory Reservations for the Technical Programmes**

To make the students employable after every exit, the skill component with progressive enhancement in skills in respective disciplines may be introduced in the curriculum right from the 1st year of the program by the concerned regulatory body/ University/ Technical

Board, as the case may be. While allowing exit at the end of first year, institutes may prescribe mandatory skill course module on Technical Communication and Computer Proficiency (Data Entry etc.), Civil / Mechanical Draftsmanship, Electrical maintenance etc.

Sr No	Academic Level	Entry Level Qualifications	Qualifications at Exit	NCF Level
1	10th Std.		10th Standard	3.0
2	1st yr of Diploma	10th Completed	A candidate exits with 10+1 year of Diploma, Certificate of Vocation (C Voc)	3.5
3a	12th Std	Passed 11th std	12th Standard	4.0
3b	2nd yr of Diploma	A candidate completing 10+1 year of Diploma (C Voc) or equivalent vocational training with level 3.5 or passed 12th std	A candidate exits with 10+2 years with Diploma of Vocation	4.0
4a	Third yr of Diploma	A candidate completing 10+2 years with Diploma of Vocation or equivalent vocational training with level 4	Diploma Engg.	4.5
4b	1st yr of UG Degree	A candidate completing 10+2 years with Diploma of Vocation or passed 12th std or equivalent vocational training with level 4	UG Certificate	4.5
5	2nd yr of UG Degree	A candidate with Diploma in appropriate branch of Engineering/ UG Certificate/ Equivalent Vocational or Technical Program level 4.5	UG Diploma (Engg)	5.0
6	3rd yr of UG Degree	A candidate with 10+3+1/12+2/ UG Diploma (Engg.) in appropriate domain with level 5	B Voc / B Sc	(Engg.)/ UG Degree
7	Final yr of UG Degree	A candidate with 3 yrs. Bachelor degree in Vocation / B Sc (Engg.)/ UG Degree with level 5.5	B E/B Tech/ UG	Degree (Hons.)
8	1st yr of PG Degree	A candidate with 4 yrs Bachelor( level 6.00)	PG Diploma/ M Voc	6.5
9	Final Year of PG	1 year of PG Degree/ PG Diploma/ M Voc(Level 6.5)	M Tech/ PG Degree (Engg) / PG Degree	7.0

	Degree	in appropriate domain		
10	Ph.D/ Fellow Program	B Tech with 75% Marks or equivalent CGPA/ PG		80

National Credit Framework (NCF) for UG & PG Courses in Engineering Students who exit after 2nd year of B Tech. course must undergo skill modules on IT/Hardware Networking / METLAB or Branch specific skill module Course structure at 3rd year and 4th year of B Tech. is already Engineering specific, students who exit after 3-years may be awarded UG Degree/ B. Voc/ B Sc(Engg.)

For Diploma students who exit after 1st year, Certificate of Vocation (C Voc.) and who exit after 2nd year Industrial Training Certificate (ITC)/ Diploma of Vocation may be awarded

At each entry level, University shall identify the educational gaps/ skill gaps and suitable bridge courses may be offered

Specialization shall be as per the Respective Regulatory Bodies issued from time to time

## 25. Attendance

Requirement of attendance shall be as per University Ordinance governing the examinations In general, attendance of at least seventy-five percent shall be required in each course to appear in the end semester examination.

For special reasons such as prolonged illness deficiency in the percentage of attendance in each course may be condoned by the Vice Chancellor

## 26. Examination & Evaluation

Evaluation shall be based on continuous assessment, in which sessional work and the terminal examination shall contribute to the final grade Sessional work shall consist of class tests, mid-semester examination(s), homework assignments, etc., as determined by the faculty in charge of the courses of study Progress towards achievement of learning outcomes shall be assessed using the following time-constrained examinations; closed-book and open-book tests, problem-based assignments, practical assignment laboratory reports, observation of practical skills, individual project reports (case-study reports), team project reports, oral presentations, including seminar presentation, viva voce interviews, computerized adaptive assessment, examination on demand, modular certifications, etc

Each course shall correspond to an examination paper comprising of external and internal evaluations The semester end theory examinations for Major, Minor, Open/Genec and DSC(Discipline specific Course) vocational, value added, SEC (Skill Enhancement Course)

and AEC (Ability Enhancement Course) shall be of a duration as promulgated through the examination's regulations approved by the Academic Council of the University. The credit structure for theory/Practical/tutorial, internal, external examinations and total marks for an examination shall be as per the programme structure approved by the Academic Council of the University as per UGC norms. Students shall acquire a minimum passing mark in internal and external examinations aggregately to be declared as pass in the respective courses, as prescribed by the Academic Council.

- 26.1 The academic performance of a candidate shall be evaluated in respect of the courses of study prescribed for each semester through the evaluation. The evaluation of students admitted in the programme shall be based on
  - 26.1.1 End Semester Examinations - 70% marks of total marks and
  - 26.1.2 Continuous Internal Assessment - 30% of total marks
- 26.2 The End Semester examinations shall be held as per the academic calendar notified by the University and the duration of end semester examination shall be of three or two hours.
- 26.3 The minimum percentage of marks to pass the programme in each semester shall be 40% in each course comprising of end semester examinations and continuous evaluation.
- 26.4 A programme shall have a specified number of credits in each semester. The number of credits along with grade points that the student has satisfactorily cleared shall measure the performance of the student.
- 26.5 Semester examination results shall have following categories
  - 26.5.1 Passed, i.e., those who have passed in all courses of the semester examination in internal and external examination separately
  - 26.5.2 Promoted (ATKT), i.e., those who have earned minimum 50% of credits in a particular year including both the semesters (even and odd) or those who have earned any number of credit in odd semester
  - 26.5.3 Detained, i.e., those who are not promoted as per the above provisions shall be detained. Such students have to appear in the examination of next academic session to earn required credits (excluding the credits already earned) as per the provisions of this ordinance and only then he/she may continue the programme within stipulated period as per the provisions of this ordinance
- 26.6 However, a student of any semester who has been detained/ not appeared in examination due to less attendance/ not applied for examination/ applied but not appeared shall be out from the programme. Such a student has to take admission in the next session as an ex-student through the procedure adopted/notified by the

University

## 27. Continuous Internal Assessment

- 27.1 Continuous Internal Assessment shall be of 30% marks of total marks allotted for the course
- 27.2 The components for continuous internal assessment for each course shall be decided by the Board of Studies of concerned subject
- 27.3 Continuous internal assessment shall be carried forward in case of ATKT students, there shall not be any provision of conducting internal assessment tests for ATKT students at any circumstances.

## 28 Evaluation and Certification of MOOCs And Vocational Courses:

The guidelines of the University/SWAYAM portal/UGC shall be followed for evaluation and certification of MOOCs, Vocational Courses, Field Projects/ Internship/ Apprenticeship/ Community engagement and service/ Research Project

## 29. Letter Grades and Grade Points

The Semester Grade Point Average (SGPA) is computed from the grades as a measure of the student's performance in a given semester. The SGPA is based on the grades of the current term, while the Cumulative GPA (CGPA) is based on the grades in all courses taken after joining the programme of study.

The HFIs may also mention marks obtained in each course and a weighted average of marks based on marks obtained in all the semesters taken together for the benefit of students.

**Table-3: Grading System**

Letter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	>90 to <=100
A+	9	Excellent	>80 to <=90
A	8	Very Good	>70 to <=80
B+	7	Good	>60 to <=70
B	6	Above Average	>50 to <=60
C	5	Average	>40 to <=50
P	4	Pass	=40
F	0	Fail	<40
Ab	0	Absent	Absent

### Computation of SGPA and CGPA

UGC recommends the following procedure to compute the Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA)

- The SGPA is the ratio of the sum of the product of the number of credits with the grade points scored by a student in all the courses taken by a student and the sum of the number of credits of all the courses undergone by a student, i.e

$$SGPA (S_i) = \frac{\sum (C_i \times G_i)}{\sum C_i}$$

Where  $C_i$  is the number of credits of the  $i$ th course and  $G_i$  is the grade point scored by the student in the  $i$ th course

Example for Computation of SGPA

Semester	Course	Credit	Letter Grade	Grade point	(Credit x Grade)
1	Course 1	3	A	8	$3 \times 8 = 24$
1	Course 1	4	B +	7	$4 \times 7 = 28$
1	Course 1	3	B	6	$3 \times 6 = 18$
1	Course 1	3	O	10	$3 \times 10 = 30$
1	Course 1	3	C	5	$3 \times 5 = 15$
1	Course 1	4	B	6	$4 \times 6 = 24$
		20			139
			SGPA		$139/20 = 6.95$

- The Cumulative Grade Point Average (CGPA) is also calculated in the same manner taking into account all the courses undergone by a student over all the semesters of a programme, i.e

$$CGPA = \frac{\sum (C_i \times S_i)}{\sum C_i}$$

where  $S_i$  is the SGPA of the  $i$ th semester and  $C_i$  is the total number of credits in that semester

Example for Computation of CGPA

Semester 1	Semester 2	Semester 3	Semester 4
Credit 20	Credit 20	Credit 20	Credit 20
SGPA 6.9	SGPA 7.8	SGPA 5.6	SGPA 6.0
$CGPA = (20 \times 6.9 + 20 \times 7.8 + 20 \times 5.6 + 20 \times 6.0)/80 = 6.6$			

The SGPA and CGPA shall be rounded off to 2 decimal points and reported in the transcripts

On completing all requirements for the award of the undergraduate certificate/ diploma/ degree, the CGPA shall be calculated, and this value shall be indicated on the certificate/ diploma/degree. The 3-years (6 semester) and 4-years (8 semester) undergraduate degrees should also indicate the Division obtained as per Table 4

Table 4: Distribution of Divisions

Division	Criterion
First division with distinction	The candidate has earned minimum number of credits for the award of the degree with CGPA of 7.5 or above
First division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.0 above but less than 7.5
Second division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.5 or above but less than 6.0
Third Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 4.5

**Note:-** The conversion of CGPA into percentage shall be as followed to facilitate its application in other academic matters

Equivalent Percentage = CGPA × 10 The percentage shall be rounded off up to the second decimal point.

The candidate shall be awarded a certificate/diploma/degree when he/she successfully earns the minimum required credits for the certificate/diploma/degree

### 30. Promotion Rule

- 30.1 A Student shall be promoted and may take admission in the 2nd semester immediately after the 1st semester end examination irrespective of any number of back papers.
- 30.2 A student may take admission in the 3rd semester provisionally, immediately after the 2nd semester end examination and his/her admission shall be confirmed and she/he shall be promoted to the 3rd semester provided he/she has earned minimum 50% credits including both 1st and 2nd semesters
- 30.3 A student shall be promoted and may take admission in the 4th semester immediately after the 3rd semester irrespective of any number of back papers in 3rd semester
- 30.4 A Student may take admission in the 5th semester provisionally, immediately after the 4th Semester examination and his/her admission shall be confirmed and he/she shall be promoted to the 5th semester provided he/she has earned minimum 50% credits including both 3rd and 4th semesters. Further student must clear all the papers

of 1st and 2nd semesters.

- 30.5 A student shall be promoted and may take admission in the 6th semester immediately after the 5th semester with any number of back papers.
- 30.6 Examinations of back papers of odd semesters shall be conducted along with odd semesters end examinations, similarly examinations of back papers of even semesters shall be conducted along with even semester end examinations.
- 30.7 Further, a special examination of the 5th semester shall be conducted along with the 6th semester for the students who have cleared all the papers till 4<sup>th</sup> semester.
- 30.8 A special examination of the 6th semester shall be conducted after the declaration of end semester result, those students having back papers only in the 6th semester shall be eligible to appear in this special examination.
- 30.9 A student may take admission in the 7th semester (Fourth year of UG) only after clearing all the semesters up to the 6th semester.
- 30.10 A student shall be promoted and may take admission in 8th semester (Fourth year of UG) provisionally, immediately after the 7th semester examination irrespective of number of back papers in the 7th semester. Further, a special examination of the 7th semester shall be conducted along with the 8th semester for clearing the back papers of 7th semester.
- 30.11 A special examination of the 8th semester shall be conducted soon after declaration of the semester results. Any student having back papers in 8th semester shall be eligible to appear in this special examination.
- 30.12 A student may choose honours course in the fourth year before the commencement of the fourth year by applying for the same, in a manner laid down for the same. A four-year UG Honours degree in the major discipline shall be awarded to those who complete a four-year degree programme with greater or equal to 160 credits as per Table 5.
- 30.13 Further students who secure 75% marks or above or equivalent 7.5 CGPA in the first six semesters and wish to undertake research at the undergraduate level can choose a research stream in the fourth year. They should do a research project or dissertation under the guidance of a faculty member of the department. The research project/dissertation shall be in the major discipline. The research outcomes of their project work may be published in peer-reviewed journals or may be presented in conferences/ seminars or may be patented.
- 30.14 In case a student is detained or not promoted to higher semester, he/she shall be held up till the backlog papers are cleared for which he/she can take attempt in the next appropriate examination provided that the same is done within the maximum duration allowed for the programme. Continuous internal assessment marks of such

students shall be carried forward for the corresponding course in which he/she is appearing.

**30.15** For counting 50% credits both theory as well as practical courses shall be considered and 0.5 shall be rounded up

### **31. Issue of Transcript**

Based on the recommendations on Letter grades, grade points and SGPA and CGPA, the university shall issue the transcript for each semester and a consolidated transcript indicating the performance in all semesters.

### **32. Credit Transfer**

**32.1** The credit transfer shall be implemented as per the policy of the University framed in accordance with the guidelines issued by the UGC from time to time

**32.2** The member institutions of the Academic Bank of Credit established vide University Grants Commission (Establishment and Operation of Academic Bank of Credits in Higher Education) Regulations 2021 shall accept and transfer the credits as per the provisions of this regulation as amended from time to time

**32.3** Except for the cases of provisional promotions, the university shall facilitate credit transfer of students between them. However, the student may be required to fulfil some eligibility criteria, drawing parity for a course, framed by the University in which the student seeks admission.

**33.** If any question arises relating to the interpretation of the provisions of this ordinance, it shall be referred to the Board of Management for discussion and recommendations.

**34.** The guidelines, related to this programme, issued from time to time by the statutory bodies e.g., UGC or any other relevant regulatory body shall be adopted for implementation.

**35.** In matters not covered under this Ordinance, general rules and regulations of the University shall be applicable.

**36.** If UGC notifies any change in future in its Regulations in this regard, the same shall be

**37.** Notwithstanding the above, the University shall ensure that the study programme leading to degree/diploma/certificate shall conform, to the standard set by the relevant regulations and norms of the UGC or the relevant statutory body.

### **38. General**

**38.1** There shall not be any provision for repeat or improvement of the programme, once student has cleared it.

**38.2** There shall not be any provision of revaluation. However, re-totaling is permissible as per the University rule.

**38.3** Exit options shall be available only at the end of even semesters and entry options

shall be available only in the beginning of odd semesters with the prevailing syllabus

**38.4** If the candidate appears for 2nd semester end examination and discontinued for 3rd semester and wishes to take admission for 4th semester in future, such candidates shall not be allowed for 4th semester. Such candidate shall again seek admission to 3rd semester as per University regulation. This is also applicable to other odd semesters

**38.5** Any points related to NIEQF not covered under this ordinance shall be as prescribed by the University through its ordinance/regulation/guidelines from time to time

**38.6** If any question arises related to the matters not covered in the ordinance, the relevant provisions made in the ordinance/ statutes of the university or UGC shall be applicable

**38.7** Any points related to ABC and multiple entry and exit which are not covered in this ordinance shall be dealt with as per the regulations of the University in accordance with the provisions of UGC guidelines/ regulations issued by, from time to time

**39.** In case of any dispute on interpretation of the ordinance, the English version shall be considered as binding.

**40.** The existing Ordinances related to the programmes mentioned in this Ordinance shall be repealed with the implementation of this Ordinance from the session 2024-25. But only the ordinances applicable at the time of admission will be valid for students admitted before session 2024-25.

**Table 5**  
Table: Sample I-GCF for Multidisciplinary Course of Study

Semester	Core (DSC)	Elective (DES)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/Apprenticeship/Project (2)	Value addition Course (VAC)	Total Cred Its
I	Discipline A-1(4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AFC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Cred Its
	Discipline B-1(4)							
	Discipline C-1(4)							
II	Discipline A-2(4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AFC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	22 Cred Its
	Discipline B-2(4)							
	Discipline C-2(4)							
Students on exit shall be awarded undergraduate certificate in the Field of Multidisciplinary study after securing the requisite 44 credits in semester I and II								Total = 44 Cred Its
III	Discipline	Choose one from a pool	Choose	Choose one SEC OR	Choose			22

	A-3(4) Discipline B-3(4) Discipline C-3(4)	of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-3(4)	one from a pool of AEC courses (2)	Internship/Apprenticeship/Proj ect/community outreach (2)	one from a pool of courses (2)	Cred its
IV	Discipline A-4(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	<b>Choose one SEC OR</b> Internship/Apprenticeship/Proj ect/community outreach (2)	Choose one from a pool of courses (2)	22 Cred its
	Discipline B-4(4)	Or Choose one from a pool of courses GE-4(4)				
	Discipline C-4(4)					
<i>Students on exit shall be awarded undergraduate certificate (in the Field of Multidisciplinary study ) after securing the requisite 88 credits on completion of semester IV</i>						<b>Total = 88 Cred its</b>
V	Discipline A-5(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE- 5(4)	<b>Choose one SEC OR</b> Internship/Apprenticeship/Proj ect/community outreach (2)		22 Cred its
	Discipline B-5(4)					
	Discipline C-5(4)					
VI	Discipline A-6(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE- 6(4)	<b>Choose one SEC OR</b> Internship/Apprenticeship/Proj ect/community outreach (2)		22 Cred its
	Discipline B-6(4)					
	Discipline C-6(4)					
<i>Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study ) after securing the requisite 132 credits on completion of semester VI</i>						<b>Total = 132 Cred its</b>
VII	DSE -4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two GE(4) courses OR All three GE 7,8 & 9 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project Entrepreneurship (4+2)	22 Cred its
VIII	DSE -4)	Choose three DSE (3x4) courses OR Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course OR Choose one DSE and two GE(4) courses OR All three GE 10,11 & 12 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) OR Dissertation on Minor (4+2) OR Academic project Entrepreneurship (4+2)	22 Cred its
<i>Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study ) (Honours or Honours with Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176</i>						<b>Total = 176 Cred its</b>

University  
Logo

## SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH

## ANNEXURE-S-1

Logo in water mark

Name of the University

## GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	Mother's Name

Programme Code	Programme Title	Credit	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
	<b>TOTAL</b>	20		-	146
	<b>SGPA</b>	146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

\*SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPA x 10

Date of Result

Registrar / Controller Examination


**SAMPLE COPY FOR SIXTH**
**ANNEXURE-S-2**

Logo in water mark

----- Name of the University -----

**GRADE SHEET**

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25		Year			
Enrollment No.		Roll No.			
Name of the Student		Examination			
Father's/Husband's Name		Mother's Name			
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	C	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

\*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					
FINAL RESULT PASS					
Total Credits	CGPA		EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION	

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPA x 10

Date of Result

Registrar / Controller Examination

University  
Logo

## SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER

ANNEXURE-S-3

Logo in water mark

----- Name of the University -----

GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25	Year				
Enrollment No.	Roll No.				
Name of the Student	Examination				
Father's/Husband's Name	Mother's Name				
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL	20			+	146
SGPA	146/20				7.30

\*Grade in Repeat Examination

## RESULT SEMESTER WISE

SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

## FINAL RESULT PASS

Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPA x 10

Date of Result

Registrar / Controller Examination



## SAMPLE COPY FOR EIGHTH

ANNEXURE-S-4

Logo in water mark

— Name of the University —

GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25		Year			
Enrollment No.		Roll No.			
Name of the Student		Examination			
Father's/Husband's Name		Mother's Name			
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x. Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	4	C	5	20
	Programme 3	10	B+	7	70
TOTAL		20	-		138
SGPA		138/20			6.90

\*Grade in Repeat Examination

## RESULT SEMESTER WISE

SEMESTER	I	II	III	IV	V
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

## FINAL RESULT PASS

Total Credits	CGPA	EQUIVALENT PERCENTAGE	DIVISION

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Controller of Examination

Registrar